गुरुवार : 8 मई 2025, सिद्धार्थनगर वर्ष : 12 अंक : 145 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2 रु0

बुद्ध का संदेश

एक विश्वास....।

प्रधानमंत्री मोदी पर देश को गर्व

जय हिंद जय भारत

आपरेशन सिंदूर के द्वारा भारतवर्ष ने पहलगाम में मासूम पर्यटकों की नृशंस हत्या का बदला भारत माँ के अमर सपूतों द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करके भारतवर्ष ने बेकसूर पर्यटकों की हत्या बदला ले लिया है हमारे देश के प्रधानमंत्री गृहमंत्री तथा रक्षामंत्री सहित जांबाज सेनानियों का सादर अभिनन्दन करते हैं

सुजीत कुमार जायसवाल

जिलाध्यक्ष: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

आतंकवादियों द्वारा भारत देश के नागरिकों के नृशंस हत्या के बाद भारत की सरकार तथा भारतीय सेना द्वारा आज रात में जो जवाबी कार्रवाई की गई, ओ पूरे देश का स्वाभिमान ऊंचा हुआ है, हमारे देश की सरकार और हमारे देश की सेना ने यह संदेश पूरे विश्व को दिया है कि अगर कोई भी हमारे देश के किसी एक नागरिक के ऊपर भी हमला करेगा तो हमारे देश की सरकार और सेना उसकी चूलें हिला देगा, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली देश क्यों ना हो, भारत देश की सरकार को तथा भारतीय सेना को बारंबार ढेर सारी बधाइयां, सलाम है इस देश की सरकार को और इस देश की सेना को.

जय हिन्द

वंदेमातरम...।

राधेरमण त्रिपाठी

प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष / जिलाध्यक्ष उत्तर प्रदेश प्रा0 शि0 सं0, जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हिंदुस्तान ने बता दिया कि यह नया भारत है धर्म पूछ कर मारोगे तो हम घर में घुसकर मारेंगे आज मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है भारतीय सेना को और उनके साहसी प्रयासों और पराक्रम को मैं सेल्यूट करता हूं

रवि अग्रवाल

अध्यक्ष प्रतिनिधि न0 प0 शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

हमारे प्रधानमंत्री मा0 नरेंद्र मोदी जी स्वाभिमान और सम्मान की रक्षा करना जानते हैं जिस तरह से पहलगाम में सौभाग्य की प्रतीक नारियों की मांग को सिंदूर विहीन किया था, आपरेशन सिंदूर से उस घाव को भरने की कोशिश की गई है पाक संरक्षित आतंकवाद को समाप्त कर भारत पुनः विश्व पटल पर शांतिदूत बनकर उभरेगा। पाकिस्तान के हर नापाक इरादों को भारत की सेना नष्ट कर देगी। हमारे देश के सैनिकों ने मिशन सिंदूर के द्वारा कोटि कोटि भारतीयों के हृदय को सांत्वना प्रदान की है।

डॉ. सीमा मिश्रा

अध्यक्ष: साहित्य संगम जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

समूचे भारत देश को मा. मोदी जी पर गर्व है। मा. प्रधानमंत्री जी ने कहा था, कि कल्पना से परे सजा देंगे और संकल्पित होकर मारे गए देशवासियों की विधवाओं के मद्देनजर ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया, जो सफल रहा। जहां पाकिस्तानी आतंकी संगठन की तमाम गतिविधियां संचालित होती थी, जिसे जांबाज भारतीय सेना ने नौ आतंकी ठिकाने को भी ध्वस्त किया। सेना के जवानों को ढेर सारी हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी।

अखण्ड प्रताप सिंह

अध्यक्ष: सि0 सिविल बार, जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

भारतीय सेना द्वारा जो ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान में जाकर आतंकवादियों के प्रशिक्षण केंद्रों को जिस तरह से तहस-नहस किया है निश्चित रूप से आज का दिन हिंदुस्तानियों के लिए विजय दिवस है आज जब हमने यह समाचार सुना तो निश्चित रूप से मन में एक विशेष प्रकार की खुशी का अनुभव हुआ जिसको शब्दों से वर्णन नहीं किया जा सकता। इसके लिए मैं जनपद के सभी कर्मचारी यों की तरफ से उन उन जांबाज भारत माता के पुत्रों को हृदय से सलूट करता हूं साथ ही हिंदुस्तान के बहादुर प्रधानमंत्री जी गृह मंत्री जी को और रक्षा मंत्री जी को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं निश्चित रूप से माननीय प्रधानमंत्री जी ने यह सिद्ध कर दिया यदि किसी भारतीय के साथ किसी ने इस तरह की यदि घटना की तो उसका जवाब के घर में जाकर नेस्तनाबूत किया जायेगा।

अनिल सिंह

जिला अध्यक्ष राज कर्मचारी संयुक्त परिषद, जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

भारत ने सिंदूर का लाज बचा कर यह साबित कर दिया कि हम अपने देश द्रोहियों को सबक सिखाने में सक्षम हैं.

आतंकियों को उनकी ही जमीन पर जाकर मिट्टी में मिलाने का काम कर सेना ने यह साबित कर दिया कि हम चुन चुन कर बदला लेने में सक्षम है

जय हिंद जय भारत

रिंकू पाल

सांसद प्रतिनिधि जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

नगर पंचायत उसका बाजार के अध्यक्ष प्रतिनिधि हेमंत कुमार जायसवाल ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने हमला कर दिया था जिसके बाद सभी भारत वासियों का हृदय दुखी रहा लेकिन भारतीय सेना जो पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक कर ये साबित कर दिया कि जो छेड़ेगा उनको मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा घर में घुस कर मारने का काम करेंगे भारतीय सेना के इस हमले से पाकिस्तान समझ गया होगा कि भारत अब नया भारत हो गया है

हेमन्त जायसवाल

नगर पंचायत अध्यक्ष, उसका बाजार जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

मैं सेना के जवानों को सैल्यूट करता हूं जिस तरह से माँ ने इस बहादुरी का परिचय देते हुए 26 की जगह 200 मारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया है और सरकार ने भी बड़ा शालीनता का परिचय देते हुए आतंकवादियों को मारा गया इससे हिंदुस्तान का मुसलमान भी उसकी सराहना करता है

कुलदीप द्विवेदी

प्रदेश अध्यक्ष: मा0 रे0 से0 के0 एस0 , जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

भारत टूटता नहीं है, भारत जवाब देता है

आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, हमारी तीनों सैन्य बलों- जल, थल और नभ- ने एक साथ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी अड्डों को जमींदोज कर दिया गया।

आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, भारत ने केवल कड़ा कदम नहीं उठाया-

भारत ने दुनिया को दिखाया कि जब हमारे घर के चिराग बुझाए जाते हैं, तो हम हाथ जोड़कर शोक नहीं मनाते- हम उठ खड़े होते हैं। आपरेशन सिंदूर, उस हर स्त्री के सम्मान की रक्षा का संकल्प था, जिसका जीवन उस दिन अधूरा कर दिया गया था।

हमारे सैनिकों ने आज सिर्फ गोलियाँ नहीं चलाईं- उन्होंने उन 26 माताओं की चीखों, विधवाओं की चुप्पियों, और अनाथ बच्चों की सिसकियों का बदला लिया है। प्रधानमंत्री जी का नेतृत्व आज सिर्फ एक निर्णय नहीं, हर भारतीय के आक्रोश को आवाज़ देने का साहस था। भारत दुखी है, लेकिन झुका नहीं है। भारत रोया है, लेकिन रुका नहीं है।

जय हिंद वंदे मातरम्...।

रीता पाण्डेय

(महिला मोर्चा, पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा) सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री जगदंबिका पाल ने कहा है कि विगत 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में जिस प्रकार से 26 निर्दोष नागरिकों की आतंकवादियों द्वारा उनके पत्नी और बच्चों के सामने निर्मम हत्या की गई थी उसी समय देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि हम आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का कार्य करेंगे ऐसी सजा दी जाएगी जिसकी कल्पना नहीं की होगी, आज देश के जल, वायु एवं थल तीनों भारतीय सेना ने अपने पराक्रम के बल पर आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन के सियालकोट, लश्कर ए तोयबा के मुरीदके एवं जैश ए मोहम्मद बहावलपुर के आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया.

पाकिस्तान सरकार एवं वहां की सुरक्षा एजेंसी द्वारा जिस प्रकार से आतंकियों का संरक्षण किया जा रहा है और उनके हौसले बढ़ाए जा रहे हैं आज यह स्ट्राइक उनके लिए सबक है

यदि पाकिस्तान सरकार द्वारा इस स्ट्राइक के विरोध में किसी प्रकार की हरकत की जाती है तो उसका मुंहतोड़ जवाब भारत की सेना देगी

आज इसी परिप्रेक्ष्य में भारत देश में मॉक ड्रिल का रिहर्सल किया गया जिससे किन्हीं भी परिस्थितियों में हम अपने नागरिकों को सुरक्षित कर सके क्योंकि भारत देश सभी परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार है सभी देश वासियों से अनुरोध है कि शासन एवं द्वारा जारी दिशा निर्देश में सहयोग करे

जगदम्बिका पाल

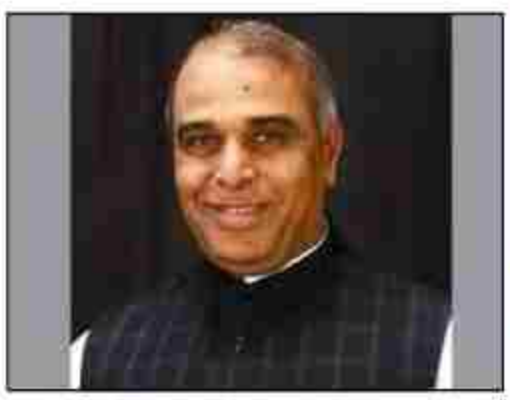

सांसद: डुमरियागंज, जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

हमारी सरकार और भारतीय सेना ने आज अद्भुत, अकल्पनीय और सराहनीय प्रदर्शन कर उन पुण्य आत्माओं को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है जिसके लिए हम देशवासी हृदय से आभारी हैं आज माँ दुर्गा के रूप में अवतरित co-leftinent Sofia जी ने सिंदूर मिटाने वालों को ऑपरेशन सिंदूर से ही मुँहतोड़ जवाब दिया है काफी गर्व की बात है।

मनोरमा पाण्डेय

महिला मोर्चा: जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब है इसका नाम भी अपने आप में शक्ति का प्रमाण है.....

यह न केवल एक सैन्य जवाबी कार्रवाई है बल्कि यह भारत की नारी शक्ति के सम्मान और सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है जय हिंद

सुधा त्रिपाठी

महिला मोर्चा: जनपद- सिद्धार्थनगर (दैनिक बुद्ध का संदेश)

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये अभिभावकों का सहयोग आवश्यक

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता, पिता और अभिभावकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। बुधवार को सदर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय हाटेनगर में आयोजित विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में यह विचार प्रधानाध्यापक नियाज अहमद ने व्यक्त किए। प्रधानाध्यापक ने उपस्थित अभिभावकों को छह से चौदह वर्ष के बच्चों के शतप्रतिशत नामांकन एवं नियमित उपस्थिति हेतु अभिप्रेरित किया। अभिभावकों को डीट पैब एवं संचारी रोगों से बचाव की जानकारी देने के साथ ही माक ड्रिल की स्थिति में किए जाने वाले सुरक्षा अभ्यासों के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा चार एवं पांच के बच्चों को नये शैक्षिक सत्र हेतु निःशुल्क पुस्तकें वितरित करते हुए प्रधानाध्यापक द्वारा अभिभावकों से पुस्तकों पर पुस्ता कवर चढ़ाने एवं बच्चों द्वारा पूरे सत्र पुस्तकों को साफ सुथरी और सुरक्षित रखने की निगरानी करने का अनुरोध किया। हरित शिक्षिका एवं सहायक अध्यापिका साधना श्रीवास्तवा ने इको क्लब की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय परिसर के पेड़ों पर क्यू आर कोड की लेबलिंग के महत्व के बारे में बताया और सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में चौधरी चौहान, धर्मेन्द्र, माया, किरन चौहान, कुलमती, संजू, प्रेमा, शाजरुन्निसा आदि अभिभावकों की उपस्थिति रही।

ऑपरेशन सिन्दूर से पूरा हुआ संकल्प : विधायक विनय वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पहलगाम के क्रूर आतंकी हमले में हमारी कई बहनों की आँख के सामने उनके पतियों की हत्या करके उनकी माँग का सिंदूर आतंकियों ने उजाड़ दिया था। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी बहादुर सेना ने इसका बदला ले लिया है। विधायक विनय वर्मा ने अपनी सेना को उनके शौर्य और साहसिक अभियान के लिए बधाई देते हैं। पूरा देश गर्व का अनुभव कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को भी धन्यवाद देता हूं। जिस तरह की राजनीतिक इच्छा का परिचय देते हुए मोदी जी ने देश का संकल्प पूरा किया है। उन्होंने हमारा भरोसा बढ़ा दिया है। वहीं मोदी जी कई बार कह चुके हैं कि यह नया भारत है। देश को आंख दिखाने वालों को घर में घुसकर मारता है। उन्होंने यह भी कहा था इस बार आतंक को पनाह देने वालों को उनकी कल्पना से परे सजा मिलेगी। हमारी सेना ने यह संकल्प पूर्ण किया। अब अगर पाकिस्तान नहीं समझेगा तो उसका पूरा नक्शा बदलने के लिए हमारी सेना तैयार है। अभी लश्कर और जैश के आतंकी ठिकाने तबाह हुए हैं पूरा पाकिस्तान भी तबाह हो सकता है। पूरा देश एकजुट होकर अपनी सेना और मोदी के साथ खड़ा है। भारत ने पूरी दुनिया को सन्देश दिया है कि हम शान्ति चाहते हैं लेकिन जो हमें छेड़ेगा हम उसे कतई नहीं छोड़ेंगे।

विद्यार्थियों को निःशुल्क कम्प्यूटर किया गया वितरित

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। उमा टेक्निकल डिग्री कालेज बढ़नी में [illegible] कोर्स में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क कम्प्यूटर वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्राण्ड एम्बेसडर नगर पंचायत कपिलवस्तु साधना वर्मा जी के हाथों नव प्रवेशित विद्यार्थियों को निःशुल्क कम्प्यूटर दिया गया। संस्थान के निदेशक सुरजीत कुमार मोदनवाल ने कहा कि संस्था द्वारा यह प्रयास है कि जो विद्यार्थी कोर्स करने के लिए आते हैं उन्हें कम्प्यूटर इस लिए दिया जाता है, ताकि उनकी पढ़ाई अच्छे से हो सके और अभ्यास घर पर भी बिना किसी बाधा के जारी रहे, जिससे अच्छे परिणाम आ सकें। इस दौरान संस्था के स्टाफ शफीउज्जमान, राजेश गुप्ता, आकांक्षा वर्मा आदि उपस्थित रहें।

सेना द्वारा पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की सराहना

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। चन्द्रगुप्त मौर्य प्रमाद्वहं महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बनकटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम मिशन वन नेशन वन इलेक्शन कार्यक्रम के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, वन नेशन वन इलेक्शन कार्यक्रम के जिला संयोजक पवन कसौधन, मुख्य वक्ता तथा महादेवा विधानसभा के निवर्तमान विधायक रवि सोनकर व वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश प्रसाद शुक्ल द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान उपस्थित महाविद्यालय की छात्राओं एवं क्षेत्रीय लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन ने कहा कि साल 1952 से लेकर 1967 तक संपूर्ण भारतवर्ष में लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव एक साथ आयोजित हुआ करते थे, लेकिन क्षेत्रीय पार्टियों की आपसी कटुता की वजह से 1967 के बाद लोकसभा एवं विधानसभा में त्रिशंकु गठबंधन होने की वजह से भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त पंचवर्षीय चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान आने लगा और मध्यावधि चुनाव होने के साथ-साथ पूरे देश में हर साल चुनाव होने लगा, जिससे सरकार के राजस्व की हानि होने लगी और विकास कार्य बाधित होने लगा। महादेवा के निवर्तमान विधायक एवं मुख्य वक्ता रवि सोनकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 तक हमारा देश पूरी दुनिया में विकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाए और इसके लिए पूरे देश में वन नेशन वन इलेक्शन कार्यक्रम का आयोजन होना जरूरी है, जिससे जनता सहित सरकार को बार-बार चुनाव में नहीं जाना पड़ेगा और राष्ट्र का संपूर्ण विकास होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि हमें गांव-गांव और घर-घर जाकर इस मिशन से सबको जोड़ना होगा। प्रधानमंत्री का सपना है कि देश का राजस्व विकास कार्यों में खर्च हो न कि चुनाव में खर्च हो। हमें बार-बार चुनाव को रोकते हुए देश की जीडीपी को बढ़ाना होगा, तभी हम पूरी दुनिया में विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे। इस दौरान उन्होंने पहलगाम घटना के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर एयर स्ट्राइक किए जाने के लिए प्रधानमंत्री और भारतीय सेना को बधाई दिया और कहा कि यह हमारी उन बेटियों के लिए देश के तरफ से सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने पहलगाम घटना में अपने सुहाग को खोया है। विषय परिवर्तन करते हुये वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश प्रसाद शुक्ल ने कहा कि देश में एक साथ चुनाव समय की मांग है। इससे रोज-रोज होने वाले चुनावों से मुक्ति मिलेगी और संसाधन, समय की बचत होगी। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शीघ्र ही लोकसभा एवं राज्यसभा में प्रस्ताव लाकर इसे कानून के रूप में मान्यता दिलाया जाएगा। संगोष्ठी को ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बनकटी रघुनाथ सिंह ने भी संबोधित किया। आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ.अनिल कुमार मौर्य द्वारा किया गया। संगोष्ठी में अतिथियों को महाविद्यालय के संस्थापक एवं राज्यपाल पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षक बंशराज मौर्य द्वारा अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संचालन डॉ.अजीत मणि त्रिपाठी ने किया। गोष्ठी में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष भानु प्रकाश मिश्रा, मुरलीधर शुक्ल, राजकुमार शुक्ल, रविन्द्र पाण्डेय, अंकित पांडेय, अर्जुन उपाध्याय, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनीता मौर्य, शिव आज्ञा मौर्य, नेहा मौर्य, श्रृंखला पाल, ज्योति पाल, अतुल पाल, शशि प्रकाश गौड़, टिंकलू दुबे, दुर्गेश अग्रहरि, विजय यादव, सुनील गौतम, अखंड पाल, काशी प्रसाद पाण्डेय, अवधेश चौधरी, पूर्व प्रधान अली हुसैन, राजू मौर्य, गोलू पाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अपना दल (एस) की मासिक बैठक हुई सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। अपना दल (एस) जनपद सिद्धार्थनगर की मासिक बैठक बुधवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष श्याम सुन्दर चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में सभी मंचों, विधानसभा तथा जोन कमेटी के गठन पर विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार मई माह के अन्दर कमेटी गठित कर ली जाये। वहीं बैठक में मुख्य रूप से रमेश गुप्ता, अरविन्द चौधरी, राम लुटावन बाल्मीकि, सन्तोष चौधरी, आदर्श जायसवाल, पेलमन जी, आकाश साहनी, नीरज कुमार, अर्चना कुमारी, अख्जुन्निशा, आकाश चौधरी, विजय चौधरी, विशाल गिरी, शिव मनोहर पटेल, मीरा देवी, शिवा वाल्मीकि आदि लोग मौजूद रहें।

जिलाधिकारी ने बीएचएनडी दिवस का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड नौगढ़ के उप केन्द्र देवा नानकार पर आयोजित बीएचएनडी दिवस का जिलाधिकारी डा० राजा गणपति आर० ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएचओ, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित थी। आंगबाड़ी कार्यकत्री के पास वजन मशीन नहीं था। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि वजन मशीन उपलब्ध करायें। कार्ड में आरसीएच नम्बर अंकित नही था। जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर देखा गया। गर्भवती महिला का ट्रैकिंग रजिस्टर/सैम मैम बच्चों का रजिस्टर पूर्ण नही पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा मौके पर गर्भवती महिला गीता से वार्ता किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक बीएचएनडी दिवस में जांच करायें। ड्यू लिस्ट के अनुसार 11 बच्चे पंजीकृत थे। जिलाधिकारी द्वारा एएनएम व आंगनबाड़ी कार्यकत्री को निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं को सलाह देना सुनिश्चित करें। आंगनबाड़ी एवं आशा को निर्देश दिया कि गांव में घर-घर जाकर टीकाकरण से एक दिन पूर्व गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को सूचित करें। एएनएम को निर्देश दिया कि कोई भी बच्चा तथा गर्भवती महिला जांच एवं टीकाकरण से छूटना नहीं चाहिए।

मोटरसाइकिल के आमने-सामने टक्कर में एक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश
चिल्हिया/सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर में बीती रात दुर्गेश पुत्र कन्हैया थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत मढ़वा टोला नहरी निवासी जो हीरो स्प्लेंडर से जा रहा था कि अचानक सामने से आ रही टीवीएस स्टार सिटी मोटरसाइकिल से आमने-सामने भयंकर टक्कर हो गई, जिसमें 28 वर्षीय दुर्गेश पुत्र कन्हैया थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत मढ़वा टोला नहरी निवासी को काफी चोटे आयी। जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बढ़नी भेजा गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वहीं मृतक दुर्गेश पुत्र कन्हैया थाना शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत मढ़वा टोला नहरी निवासी युवक के शव का पंचायतनामा करवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सिद्धार्थनगर भेज दिया गया। मृतक दुर्गेश की पांच पुत्रियाँ हैं। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है।

सपा की बैठक में बूथ स्तर पर मजबूती का निर्णय: आपरेशन सिन्दूर की सराहना

दैनिक बुद्ध का संदेश
बस्ती। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में पहलगाम में पर्यटकों की हत्या मामले में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर किये गये आपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुये कहा गया कि आतंकवाद को जड़ से मिटा देने की जरूरत है। बैठक में सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे अपने-अपने बूथों के मतदाता सूची की समीक्षा कर लें, यदि किसी का नाम छूटा हो तो जोड़वाये और गलत दर्ज हुआ हो तो नियमानुसार कटवाने की पहल करें। सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि देश और उत्तर प्रदेश की राजनीति नाजुक दौर से गुजर रही है। किसान, नौजवान, व्यापारी, बेरोजगार सभी त्रस्त हैं। महगाई लगातार बढ़ रही है और थाना, तहसील, अस्पतालों में गरीबों की सुनवाई नहीं हो रही है, ऐसे में समाजवादी पार्टी के लोग न्याय दिलाने के लिये लोगों की मदद करें और पार्टी के नीति, कार्यक्रम से जोड़ें। मासिक बैठक में पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, जावेद पिन्डारी, मो. सलीम, चन्द्र प्रकाश चौधरी, कौशलेन्द्र सिंह आदि ने मासिक बैठक में बूथवार सांगठनिक मजबूती पर जोर देते हुये महत्वपूर्ण सुझाव दिया। बैठक में मुख्य रूप से मो. उमर, रन बहादुर यादव, गुलाम गौस, गुलाब सोनकर, राजेन्द्र यादव, अरविन्द सोनकर, हनुमान चौधरी, नितराम वर्मा, देवेन्द्र श्रीवास्तव, संजय गौतम, शंकर यादव, प्रशान्त यादव, पंकज निषाद, तूफानी यादव, रामचन्द्र यादव, राहुल सिंह, अजय यादव, विपिन त्रिपाठी, अखिलेश यादव, मो. सलीम, रजनीश यादव, देवनाथ यादव, हनुमान गौड़, मुंशी जी, गोविन्द, जर्सी यादव, घनश्याम यादव, बैजनाथ शर्मा, उदयराज शर्मा, युनुस आलम, रजवन्त यादव, राजेन्द्र यादव, अनवर जमाल, गौरीशंकर, दीपक आर्य के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे। अंत में वरिष्ठ सपा नेता संतराम आर्या 'लोहिया जी', सम्भावित सत्य प्रकाश गौतम के बड़े भाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

भाजपा ने आयोजित किया अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश
इटवा/सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को वक्फ सुधार जनजागरण अभियान के तहत शहर के नया कार्यालय सभागार में अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें वक्फ संशोधन विधेयक बारे में जानकारी दी गयी। वहीं कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सतीश द्विवेदी ने सम्बोधित करते कहा कि वक्फ कानून कमजोर वर्ग एवं मुस्लिम महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूत करने में सहायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड तथा उसके द्वारा नियन्त्रित सम्पत्ति इस्लामिक जीवन के महत्वपूर्ण अंग हैं। वक्फ संशोधन विधेयक विरासत एवं व्यक्तिगत सम्पत्तियों के अधिकारों की सुरक्षा करेगा। इससे मुस्लिम महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार होगा। पूर्व मंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह अपने-अपने क्षेत्र में वक्फ संशोधन अधिनियम के बारे में लोगों के बीच चर्चा करें। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हरिशंकर सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष इटवा विकास जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष बिस्कोहर अजय गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप कसौधन, जिला मंत्री [illegible] मिश्रा, गुलाम हुसैन, मुस्ताक अहमद, मो० इरफान, नसीम, सलीम खान, जिला पंचायत सदस्य इजहार अहमद, हाकिमुल्लाह, गुलाम मोहिउद्दीन आदि लोग उपस्थित रहे।

दुर्घटना में मृत्यु को लेकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने कल पहुंचेंगे प्रतिनिधि मण्डल

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मण्डल दिनांक 09 मई 2025 को सिद्धार्थनगर जायेगा। जनपद सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र शोहरतगढ़ ग्राम कुड़ीकुईया पोस्ट खुरहुरिया निवासी सेक्टर प्रभारी मो० हुसैन उर्फ अफजल पुत्र मो० युनुस की दुर्घटना में मृत्यु हो गयी। शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने तथा समाजवादी पार्टी द्वारा परिवार को दी गई एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपने हेतु प्रतिनिधि मण्डल शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर पहुंचेगा। वहीं रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों में जिलाध्यक्ष लालजी यादव, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी उग्रसेन सिंह, खुर्शीद अहमद खान राष्ट्रीय सचिव युवा ब्रिगेड व विधानसभा अध्यक्ष हरिनारायण यादव हैं।

कार्यालय : नगर पालिका परिषद- सिद्धार्थनगर, जनपद- सिद्धार्थनगर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद्द्वारा सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर द्वारा संचालित मैरज हाल पर कुर्सी (प्लास्टिक) उपलब्ध कराया जाना है। मैरेज हाल पर कुर्सी आपूर्ति हेतु दिनांक 15/05/25 को अपरान्ह 2:00 बजे तक नगर पालिका कार्यालय पर निविदा आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिनांक को अपरान्ह 4:00 बजे नगर पालिका कार्यालय पर उपस्थिति निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 15/05/25 को कार्यालय अवधि नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर कार्यालय से नकद मूल्य जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। उक्त कार्य व अन्य शर्तों सम्बन्धी जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। जिसका विवरण निम्नवत है-

क्र० सं०	सामग्री का नाम	मात्रा	निविदा मूल्य	जमानत धनराशि	आपूर्ति अवधि
1	कुर्सी (प्लास्टिक)	प्रति अदद	500.00	50000.00	आपूर्ति आदेश से एक सप्ताह के भीतर

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर
सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 205/न०पा०परि०सि०न०/2025–26 । दिनांक 07/05/2025

ऑपरेशन सिंदूर के बाद लोगों में खुशी का माहौल

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के जानकारी के बाद डुमरियागंज में लोगों ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई। बुधवार को सुबह जैसे लोगों को पाकिस्तान में आतंकी अड्डों पर हुए हमले की जानकारी हुई, भारी संख्या में लोग खुश होकर भारत माता की जय, वन्देमातरम, भारतीय सेना की जय आदि देशभक्ति नारे लगाते हुए प्रभारी डिग्री डुमरियागंज व पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के शाहपुर स्थित आवास हिन्दू भवन पर पहुंचे और भारतीय सेना की कार्रवाई पर खुशी जताते हुए एक दूसरे को लड्डू खिलाकर उत्साह प्रदर्शित किया। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर सबक सिखाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने एक बार फिर दिखा दिया कि यह नया भारत है, जो बात कम और कार्रवाई ज्यादा करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना के इस साहसिक कदम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों को सच्ची श्रद्धांजलि है। इस दौरान शत्रुघन सोनी, हरीश पाण्डेय, राजेश शर्मा, रामचंद्र यादव, पंकज, अंगद आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर होने पर लोगों ने मनाई खुशी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। पाकिस्तान में भारतीय आर्मी ने एयर स्ट्राइक करने से लोगो में खुशी देखने को मिली है। बुधवार को स्थानीय लोगो ने भारत माता के जय कार के साथ पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। एयर स्ट्राइक होने पर लोगो का कहना है कि 22 अप्रैल को आतंकवादियो ने मासूम लोगो को गोली मार दी थी जिससे ज्यादा आक्रोश था। इंडियन आर्मी ने जिस तरह से एयर स्ट्राइक किया बहुत ही सराहनीय रहा और विश्वास भी था कि आतंकवादियो को जरूर गलती की सजा मिलेगी। इस दौरान शिवम कश्यप ,आकाश यादव,राजन गिरी, करण राठौर,सौरभ शर्मा,लड्डू विश्वकर्मा,अंकित विश्वकर्मा , विशाल रावत,दिलीप साहनी, मजनू, मनीष अग्रहरी, अशोक अग्रहरी, दर्पण जायसवाल, सोमनाथ मिश्रा, सुनील जायसवाल, अयोध्या साहू, मयंक पांडेय, रामेश्वर पांडेय आदि रहे मौजूद।

ऑपरेशन सिंदूर के सफल ऑपरेशन पर बच्चों ने मनाई खुशियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर। मंगलवार की रात भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकियों के ठिकानों के नेस्तनाबूत करने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है. जगह जगह लोगों ने एक दूसरे को मिठाई बांटी, भारतीय सेना के इस अभूतपूर्व कार्य से सम्पूर्ण भारत में खुशी का माहौल है. इसी क्रम में स्थानीय ब्लॉक क्षेत्र के मगराव स्थित प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को सुबह भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हुए एयर स्ट्राइक की सफलता पर भारतीय सेना की एक झांकी निकाल कर प्रतीकात्मक सेना पर पुष्पवर्षा करते हुए, सेना के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। सर्वप्रथम प्रधानाध्यापक दुर्गेश मिश्र ने बच्चों को प्रार्थना सभा में सेना के द्वारा पहलगाम हमले के विरोध में किये गए ऑपरेशन सिंदूर के सफलता के बारे में बताते हुए सेना के अदम्य साहस की वीरगाथा सुनाकर सभी को बधाई दी, उन्होंने कहा कि सेना की यह कार्यवाही पहलगाम में दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है तत्पश्चात शिक्षक प्रदीप कुमार की अगुवाई में बच्चों ने प्रतीकात्मक रूप से सेना के जवानों के वेशभूषा में तैयार होकर झांकी निकालते हुए उन पर पुष्पवर्षा करते हुए देश की सेना के प्रति आभार प्रकट कर एक दूसरे को बधाई दी। हाथों में तिरंगा लिए बच्चों ने भारत माता की जय और भारतीय सेना की जय के नारे भी लगाए, इस दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बना। कार्यक्रम में माता प्रसाद, दिनेश मिश्रा, राजकुमारी, दुर्गा देवी, कुसुम, श्यामकली, नीरज, तोताराम, राम विलास आदि उपस्थित रहे।

एक परमिशन पर कई जगह हो रहा अवैध खनन,नदी नाले के पास के इलाके भी नहीं छोड़ रहे खनन माफिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी सिद्धार्थनगर। ढेकहवा थानाक्षेत्र के बढ़नी क्षेत्र में चरगहवा नदी एवं टीसम नदी के नजदीक के दायरे में अवैध खनन माफिया खुलेआम मिट्टी खनन कर रहे है.सुबह होते ही ट्रैक्टर ट्राली एवं डंफर की दौड़ती गाड़िया खुलेआम खनन की गवाही दे रही है.नदियों के नजदीक होता परमिशन पर जिम्मेदारों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार खनन माफिया ढेकहवा थानाक्षेत्र में पूरी तरह से सक्रिय है.कोई घटना या कभी अधिकारियों का दौड़ा होता है तो एक दो दिन बंद करने के बाद खनन फिर पुराने ढर्रे पर आ जाता है.अवैध खनन को लेकर कई बार शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा ने कड़ा रुख अपनाया था.उन्होंने अवैध खनन रोकने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देशित करने के साथ मोर्चा भी खोला था.लेकिन खनन माफियाओं का रैकेट इतना मजबूत है कि उनके सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता. येन केन खनन माफिया अपनी सेवा में कामयाब हो जाते है.कुछ दिन पहले अवैध खनन को रोकने पहुंचे उपजिलाधिकारी के ऊपर ट्रैक्टर ट्राली से चढ़ाने की कोशिश भी की गई थी.यहां तक कि उनके सुरक्षा में लगे होमगार्ड को चोट आई थी.जिसके बाद तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था एक ट्राली भी सीज हुई थी.उस दौरान भी राजस्व टीम की जांच में खनन का परमिशन कहीं और का था और खनन कहीं और होने की बात सामने आई थी.इस घटना के बाद कुछ दिन क्षेत्र में खनन बंद हुआ लेकिन उसके बाद भी अवैध खनन करने वाले माफियाओं का रैकेट सक्रिय हो गया। अवैध खनन को लेकर वैसे तो सरकार सख्त है लेकिन ढेकहवा थानाक्षेत्र में लगातार अवैध खनन होना प्रशासन पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सेना और पीएम को दी बधाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ऑपरेशन सिंदूर की असीम सफलता पर नगर पंचायत शोहरतगढ़ की अध्यक्ष उमा अग्रवाल सहित उनके पति प्रतिनिधि रवि अग्रवाल और चेयरमैन बढ़नी सुनील अग्रहरि सहित उमेश प्रताप सिंह एमएलसी प्रतिनिधि डा0 पवन मिश्रा, भाजपा नेता श्याम जायसवाल, अपना दल (एस) के नेता अनिल चौधरी, जफर आलम के साथ तमाम लोगों ने भारतीय सेना और मोदी जी के नेतृत्व को धन्यवाद दिया। देश के अपमान का बदला लेने के लिए बधाई देते हुए उपरोक्त लोगों ने कहा कि मोदी है तो मुमकिन है। उन्होंने अपने क्षेत्र के लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रवाद ही भारत का प्राणवायु है। यह बहुत अच्छा हुआ है कि हमारी सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक के साथ ही साथ उसका सबूत भी साथ ले आई अन्यथा भारत में तथाकथित देशभक्त सेना और मोदी जी से सबूत मांगने लगते। उन्होंने कहा आज का भारत पहले के भारत से कई गुना अधिक सशक्त और वैज्ञानिक उन्नति से भरा पड़ा है। आज का भारत 21वीं सदी का भारत है। यह पलायन वाला भारत नहीं है, अपितु दुश्मन के घर में घुसकर दुश्मन के दांत गिनते हुए जबड़ा फाड़ देने वाला भारत है। इस अवसर पर उन्होंने मौजूद लोगों को सर्जिकल स्ट्राइक की विस्तृत जानकारी भी दी।

तस्करों द्वारा खाद तस्करी जोरों पर, जिम्मेदार अधिकारी मौन

दैनिक बुद्ध का संदेश

कोटिया/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र शोहरतगढ़ के इण्डो-नेपाल कोटिया, कपसिहवा बार्डर पर खाद तस्करी जोरों पर है और यहाँ जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र में तस्करों की चांदी है, क्योंकि तस्कर दिन में ही खाद की तस्करी कर रहे हैं। आपको बता दें कि इण्डो-नेपाल बॉर्डर पर स्थित गांवों में तस्कर खादों को डम्प कर रहे हैं। तस्कर मौका देखकर लड़कों के जरिए खाद बार्डर पार नेपाल कराई जा रही है। गनेशपुर, सिसवा आदि क्षेत्रों से खाद बाइकों व छोटी गाड़ियों में लोड कर सीमावर्ती गांवों अर्रा, अलगा, पिपरा, कपसिहवा, सिसौवा, कोटिया आदि गांवों में बने अस्थाई गोदामों में पहुंचाई जा रही है। वहां से तस्कर मौका देखते ही खाद को बार्डर पार नेपाल करा दे रहे हैं। इण्डो-नेपाल बार्डर पर स्थापित पुलिस चौकी व एसएसबी चौकी आदि पर तैनात सुरक्षा जवान व जिम्मेदार अधिकारियों का तस्करों में कोई खौफ नहीं है।

होडिंग में एमएलसी का नाम न होना डीएम ने लिया संज्ञान उप निर्देशक मंडी को भेजा पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। जिलाधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर ने शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी का लोहिया कला भवन में मंगलवार को आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में होर्डिंग में नाम न होने पर उप निदेशक मंडी बस्ती मंडल को बुधवार को एक पत्र जारी करके जवाब तलब किया है। लोहिया कला भवन में मंगलवार को एक सरकारी कार्यक्रम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान कृषि विपणन दिनेश प्रताप सिंह आए थे और मंच के पीछे होर्डिंग में शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी का नाम अंकित नहीं था जबकि कार्यक्रम में आमन्त्रित थे। कार्यक्रम में पहुंचने पर शिक्षक विधायक ने बैनर पर चित्र और नाम न देखकर नाराजगी व्यक्त की थी और उसे विशेषाधिकार के हनन बताते हुए इस मामले को सदन में उठाने की बात प्रेस वार्ता के माध्यम से की थी। इसपर बुधवार को जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए तीन दिन में संबंधित जिम्मेदार से स्पष्टीकरण मांगा है। डीएम द्वारा उप निदेशक मंडी को भेजे गए कारण बताओ नोटिस में लिखा गया है की यदि तीन कार्य दिवस में संबंधित मामले में स्पष्टीकरण नहीं दिया गया तो यह माना जायेगा की उन्हें कुछ नहीं कहना है और आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

चिल्हिया थाना क्षेत्र के एक ही गाँव के तीन घरों से चोरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के परसिया गाँव में एक ही रात तीन घरों में हुई चोरी का प्रकरण लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है और चर्चा इस बात का भी बना हुआ है कि एक ही रात में तीन घरों में हुई चोरी की शिकायत चिल्हिया पुलिस द्वारा एक ही प्रार्थना पत्र में ले लिया गया है। चिल्हिया थानक्षेत्र के परसिया गांव के साधवी पांडे पुत्री गिरजेश कुमार पांडे ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 6/7 मई की मध्य रात्रि अज्ञात चोर मेरे घर के छत के दरवाजे से घर के अंदर घुसकर अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखा जेवर सोने का हार 5 अदद झुमकी, 4 जोड़ी बाली, 1 जोड़ी टप्स, 12 जोड़ी कंगन, कंगन 8 अदद, चेन 5 अदद, मंगलसूत्र 5 अदद, लॉकेट 3 अदद, अंगूठी 15 अदद, पायल 20 जोड़ी, बिछुआ 20 जोड़ व 30 हजार नकद चोरी कर ले गए तथा मेरे पड़ोसी प्रदीप पाठक पुत्र बालकृष्ण पाठक के घर में भी चोरी किये। जिसमें एक जोड़ी झुमकी, 4 अंगूठी, दो जोड़ी पायल, एक जोड़ी बिछुआ व 14000 नकद चोरी कर लिए तथा गांव में ही अशोक कुमार पुत्र रामदुलारे के घर में भी घुसकर सोने की चेन एक, अंगूठी एक, मांग का टीका एक, पायल एक जोड़ी और कुछ नगद रुपया चोरी कर लिए हैं। जिसकी रसीद हम लोग बाद में दे देंगे। उन्होंने चिल्हिया पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना पर फॉरेंसिक एवं सर्विलांस टीम सहित शोहरतगढ़ सीओ सुजीत राय ने घटना स्थल पहुंच कर विधिक कार्यवाही में जुट गयी है। उक्त के संदर्भ में सीओ सुजीत कुमार राय ने बताया कि चिल्हिया थाना क्षेत्र परसिया गाँव में घटना घटी है। जनपद की अन्य एजेंसिया सहित पुलिस भी मामले की जाँच कर रही है। साक्ष्य जुटाये जा रहे है।

विधानसभा स्थित कार्यालय में हुई यातायात स्थाई समिति की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा लखनऊ में स्थित कार्यालय में मंगलवार को यातायात स्थाई समिति की बैठक में विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह को विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायतों, विभिन्न बाजारों व चौराहों पर जाम की स्थिति के बारे में अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने व्यापारियों से आरटीओ विभाग पर अवैध वसूली का भी आरोप लगाया। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में परिवहन विभाग की ओर से गठित यातायात स्थाई समिति की बैठक में शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारु व सुदृढ़ बनाने हेतु विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने गम्भीरता से प्रस्ताव रखा। उन्होंने शोहरतगढ़ कस्बे में जाम की गम्भीर समस्या का उल्लेख किया, जहां भारी वाहनों और ई-रिक्शा के कारण आमजन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके बाद बढ़नी क्षेत्र में ट्रकों द्वारा लगने वाले जाम का रखा, जिससे स्थानीय यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है। उन्होंने कठेला-तुलसियापुर रोड पर जाम की समस्या आये दिन बने रहने की बात भी कही। वहीं बच्चों के स्कूल के टाइम में भी लगातार जाम रहने से बच्चे दो से तीन घन्टे बस में ही रहते हैं। उन्होंने परिवहन मंत्री से शिकायत की कि व्यापारियों का आरोप है कि आरटीओ वाले अवैध वसूली करते हैं। उनके द्वारा प्राइवेट बसों की दलाली कर उनका बढ़ावा देना और सरकारी बसों को रोकना, जिससे सरकार का राजस्व संग्रह कम हो रहा है। जिसको लेकर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने विधायक विनय वर्मा को आश्वासन देते हुए अधिकारियों को आदेश दिया कि इन समस्याओं का जल्द से निपटारा करें।

फरच्यूनर गाड़ी तो मिल गई, मगर रिवाल्वर क्यों नहीं बरामद कर पा रही इटवा पुलिस?

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पुलिस ने डेढ़ महीने पहले इटवा थाने से 200 मीटर दूर मस्जिद के सामने से उठाई गई फारच्यूनर गाड़ी और एक रिवाल्वर चोरी की घटना का अभी तक पर्दाफाश नहीं हो सका है। आपको बता दें कि जिला पंचायत सदस्य इजहार अहमद ने 35 लाख की कार और 2 लाख की रिवाल्वर की सूचना लिखवाई थी। फारच्यूनर गाड़ी और रिवाल्वर उस वक्त एक वाहन लिफ्टर ने गायब किया था, जब वह मस्जिद में नमाज पढ़ रहे थे। घटना 21 मार्च की रात 09 बजे घटित हुई थी। फिलहाल रिवाल्वर के साथ फार्च्यूनर की गायब होने की सूचना इटवा पुलिस को दी गई थी। इटवा पुलिस ने इतना तो किया था कि आस-पास के जिलों की पुलिस को सूचना दे दी थी। पुलिस ने हर संभावित रास्ते के नाकों पर चौकसी बढ़ा दी थी। इसी चौकसी के दौरान उक्त फार्च्यूनर गोंडा जिले के मानिकापुर थाने की टटौली पुलिस चौकी पर रोकी गई थी, मगर फारच्यूनर गाड़ी चालक रुकने के बजाय बैरियर तोड़कर भागने लगा था। इस तेजी में फारच्यूनर गाड़ी लोहे के बैरियर से टकरा कर बन्द हो गई थी। परिणामस्वरूप लिफ्टर चालक फारच्यूनर गाड़ी को वहीं छोड़कर रिवाल्वर लेकर भाग निकला था। इस रोकथाम में लिफ्टर ने रिवाल्वर की ही बट से हमला कर एक सिपाही को घायल भी कर दिया था। लेकिन इस चौकसी में इतना तो हुआ कि कार बरामद हो गई थी। इसके आगे की कहानी चौंकाने वाली है। फारच्यूनर में बमुश्किल पांच लीटर पेट्रोल था। इसलिए भागने के दौरान वाहन चोर ने रास्ते में कहीं पेट्रोल जरूर डलवाया होगा। फलतः वह सीसीटीवी में कैद जरूर हुआ होगा। पुलिस अगर भागने के रास्तों के 50 से 100 किमी के बीच के पेट्रोल पंपों के सीसीटीवी कैमरे की चेकिंग करती तो वाहन चोर की पहचान मुमकिन थी। मगर इटवा थाने के तत्कालीन थानाध्यक्ष ने इस जरूरी छानबीन को जिम्मेदार नहीं समझा। वहीं वादी इजहार अहमद का कहना है कि उन्होंने इस बारे में कई बार थानाध्यक्ष से कहा मगर वे हर बार आज कल की बात कह कर बात टालते रहे। आखिर तत्कालीन थानाध्यक्ष ने जांच के इस महत्वपूर्ण बिन्दु को क्यों छोड़ दिया, यह समझ से परे है। इस प्रकरण में ताजा अपडेट यह है कि थाना के नये थानाध्यक्ष ने भी इस मामले में एक बार घटना स्थल का मुआयना तो किया, मगर भागने के रास्ते पर सीसीटीवी को चेक करने का उन्होंने कोई प्रयास नहीं किया। वाहन मालिक इजहार अहमद और उनके पिता पूर्व जिला पंचायत सदस्य इसरार अहमद का कहना है कि इस घटना में वाहन लिफ्टर को पकड़ने के प्रयास के दौरान लिफ्टर के हमले से एक सिपाही घायल भी हुआ था। लिहाजा पुलिस को तो और भी दिलचस्पी लेनी चाहिए थी। लेकिन सवाल यह है कि इटवा पुलिस उक्त सीसीटीवी को कब चेक करेगी। यदि इस बीच सीसीटीवी की फुटेज गायब हो गई या किसी वजह से नष्ट हो गई तो क्या होगा? कहीं ऐसा तो नहीं कि सीसीटीवी न चेक करने के पीछे कोई खास वजह है? पुलिस किसी दबाव में तो नहीं है? यदि ऐसा नहीं है तो पुलिस की कथित व्यस्तता की वजह क्या है? यह सवाल पूरे इलाके में चर्चा का विषय है तथा पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा कर रही है।

सम्पादकीय

एकमात्र वास्तविक समाधान निरंतर बातचीत में निहित है। दरअसल, आज अशांति के मूल कारणों को संबोधित करने की जरूरत है। पहली जरूरत इस बात की है कि शांति को नुकसान पहुंचाने वाले आतंकी नेटवर्क को नेस्तनाबूद किया जाए। इतिहास गवाह है कि युद्ध शांति का विकल्प कभी नहीं हो सकता। वहीं दूसरी ओर पड़ोसी कितना भी ...

यूएन की चेतावनी को नजरअंदाज न करें

इसमें दो राय नहीं कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन–चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाव भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह–मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है। निस्संदेह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की चेतावनी महज कूटनीतिक बयानबाजी नहीं है। निश्चित रूप से वह परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष को टालने की महत्वपूर्ण कोशिश है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में ले जाकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का उपक्रम किया था। लेकिन वैश्विक मूढ़ हस्तक्षेप के बजाय तनाव कम करने पर केंद्रित नजर आया। इसमें दो राय नहीं कि अब तक भारत की ओर संयमित प्रतिक्रिया ने स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद ही की है। हालांकि, दंडात्मक कार्रवाई के लिये देश के भीतर बढ़ती मांग ने दिल्ली पर सैन्य विकल्पों पर विचार करने का दबाव जरूर डाला है। हालांकि देश के दीर्घकालीन हितों के मद्देनजर कूटनीतिक प्रयासों से समस्या के समाधान की कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाता कि आंतरिक दबाव के चलते यदि सैन्य विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है, तो कालांतर इससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की शुरुआत हो सकती है। यह भी एक हकीकत है कि ऐसे मौके पर जब आतंकवादियों के क्रूर हमले में मारे गए लोगों के परिवार शोकाकुल हैं और जनता आक्रोशित है, संयम का आह्वान किसी को रास नहीं आएगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बड़े पैमाने पर संघर्ष को बढ़ावा देना कल्पना से अधिक तबाही ला सकता है। एक सैन्य टकराव न केवल इस उपमहाद्वीप को अपनी गिरफ्त में ले सकता है, बल्कि दशकों तक इस क्षेत्र को अस्थिर भी बनाये रख सकता है। विगत का अनुभव हमें याद कराता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले युद्ध से न केवल जन–धन की व्यापक क्षति होती है बल्कि साथ में कूटनीतिक अलगाव और आर्थिक झटके भी मिलते हैं। इन हालात में यह जरूरी है कि दोनों देश बैक चैनल के जरिये कूटनीतिक प्रयास करें तथा विश्वास निर्माण के उपायों के लिए फिर से प्रतिबद्धता दिखाएं। वैश्विक समुदायों, खासकर संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बयानों से आगे बढ़कर तनाव को बढ़ने से रोकने के लिये सक्रिय रूप से मध्यस्थता करनी चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि कश्मीर का सैन्य समाधान अतार्किक ही कहा जाएगा। एकमात्र वास्तविक समाधान निरंतर बातचीत में निहित है। दरअसल, आज अशांति के मूल कारणों को संबोधित करने की जरूरत है। पहली जरूरत इस बात की है कि शांति को नुकसान पहुंचाने वाले आतंकी नेटवर्क को नेस्तनाबूद किया जाए। इतिहास गवाह है कि युद्ध शांति का विकल्प कभी नहीं हो सकता। वहीं दूसरी ओर पड़ोसी कितना भी बुरा क्यों न हो भौगोलिक रूप से हम उसे बदल नहीं सकते। बुराई में अच्छाई की तलाश से स्थिति सामान्य बनाये रखने की कोशिश की जानी चाहिए। युद्ध की आकांक्षा रखने वाले लोगों को भी सोचना चाहिए कि कहीं न कहीं अंत में युद्ध की कीमत आम आदमी को ही प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से चुकानी पड़ती है।

ओंकारेश्वर में भगवान शिव हर रात आते हैं

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में नर्मदा नदी के किनारे मांधाता द्वीप पर स्थित है। इस द्वीप का आकार ॐ के समान है, इसलिए इसे ओंकारेश्वर कहा जाता है। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में नर्मदा नदी पर मांधाता द्वीप है भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से यह एक है। यह ॐ के समान है इसीलिए इसे ओंकारेश्वर कहा जाता है। यहां ममलेश्वर, अमलेश्वर है। इस मंदिर में भगवान शिव को विश्व का सबसे बड़ा ज्योतिर्लिंग माना जाता है और यहां हर रात को सोने के लिए स्वयं भगवान भोलेनाथ आते हैं। श्रावण मास में यहां भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा होती है। वर्ष भर श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन हेतु आते हैं। पवित्र माँ नर्मदा और कावेरी का संगम ओंकारेश्वर में है। यहाँ, दो बहन नदियाँ, माँ नर्मदा और कावेरी, दो बार मिलती हैं। ओंकारेश्वर बांध से पहले, वे पहली बार अलग हो जाती हैं। गोमुख घाट पवित्र नर्मदा नदी के तट पर स्थित है और यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इसे श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र स्नान स्थल माना जाता है और माना जाता है कि गोमुख घाट पर नर्मदा नदी में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं।

लेखक विनय कांत मिश्र/ दैनिक बुद्ध का संदेश

सुधार का मार्ग खोलती सुप्रीम कोर्ट की पहल

यदि इंटरव्यू प्रक्रिया को समावेशिता की दृष्टि से अपनाया गया, तो यह हाशिये पर खड़े प्रतिभावान अधिवक्ताओं को न्यायिक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्यायिक नियुक्तियों में इंटरव्यू को शामिल करना प्रशंसनीय पहल है, जो न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और योग्यता आधारित बनाने की दिशा में अग्रसर है। यह न्यायपालिका के आत्म–सुधार की...

के.एस. तोमर

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। जिसका मकसद न केवल न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया में गुणवत्ता और पारदर्शिता यकीनी बनाना है, बल्कि राजनीतिक हस्तक्षेप और भाई–भतीजावाद सीमित करने का भी प्रयास है। हाईकोर्ट्स द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नियुक्ति हेतु भेजे गए नामों पर विचार करते समय अब सुप्रीम कोर्ट ने इंटरव्यू प्रक्रिया को अनिवार्य किया गया है, जो लीक से हटकर नया कदम है। परंपरा रही कि उच्च न्यायालयों द्वारा भेजी गई अनुशंसाएं सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा प्रायः बिना व्यक्तिगत मूल्यांकन के स्वीकृत कर ली जाती थीं। परंतु अब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों ने यह परंपरा तोड़ते हुए व्यक्तिगत इंटरव्यू अनिवार्य किया है, जो अनुशंसित अधिवक्ताओं की न्यायिक नियुक्तियों से पूर्व एक अतिरिक्त मूल्यांकन की परत जोड़ेगा। यह फैसला न्यायपालिका की चयन प्रक्रिया में परिपक्वता का संकेत है, वहीं उस आलोचना का उत्तर भी है जो कॉलेजियम प्रणाली की पारदर्शिता व जवाबदेही की कथित कमी को लेकर होती रही है। वर्ष 1993 के दूसरे न्यायाधीश केस और 1998 के तीसरे न्यायाधीश केस के फैसलों के तहत स्थापित कॉलेजियम प्रणाली ने न्यायपालिका को कार्यपालिका से स्वतंत्रता तो दिलाई, परंतु इसके भीतर पारदर्शिता व

जवाबदेही की संरचनात्मक कमी के आरोप सामने आते रहे। आलोचकों के मुताबिक, इस प्रक्रिया में अक्सर व्यक्तिगत संबंधों और सिफारिशों को महत्व दिया जाता है, जिससे योग्यता से समझौता होता है। अब जब इंटरव्यू प्रक्रिया को जोड़ा गया है, तो यह केवल दस्तावेजों और बंद कमरों में होने वाली चर्चा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उम्मीदवारों के व्यक्तित्व, विचारशीलता और न्यायिक मूल्यों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन संभव होगा। इंटरव्यू एक ऐसा सशक्त उपकरण है जो केवल विधिक ज्ञान ही नहीं बल्कि उम्मीदवार की नैतिकता, तर्कशक्ति, संवेदनशीलता और न्यायिक दृष्टिकोण का भी मूल्यांकन कर सकता है। अमेरिकी सीनेट न्यायिक समिति द्वारा जजों के साक्षात्कार या ब्रिटेन के ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमीशन की प्रक्रिया की तरह यह कदम भारत को वैश्विक मानकों की दिशा में आगे ले जाता है। पारम्परिक प्रक्रिया में सीवी और सिफारिश–पत्रों के जरिये उम्मीदवारों का आकलन किया जाता था, जो अक्सर वास्तविक क्षमताएं उजागर करने में विफल रहते थे। इंटरव्यू के जरिये प्रत्याशियों की तात्कालिक सोच, नैतिक निर्णय लेने की क्षमता और जटिल कानूनी या नैतिक परिदृश्यों में व्यवहार की क्षमता की जांच संभव हो सकेगी। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों द्वारा सार्वजनिक रूप से अदालत के आंतरिक कामकाज पर सवाल उठाना दर्शाता है कि सिस्टम के भीतर भी असंतोष व्याप्त था। इंटरव्यू की शुरुआत न केवल जनता के विश्वास बहाली में मदद करेगी, बल्कि यह दर्शाएगी कि न्यायपालिका सुधार की दिशा में स्वेच्छा से कदम उठा रही है। हालांकि, इंटरव्यू प्रणाली पूर्णतः दोषरहित नहीं। इसकी स्वाभाविक सीमा विषयपरकता है। यदि कोई मानकीकृत मूल्यांकन मापदंड नहीं बनाए गए, तो पैनल के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, सवाल पूछने की शैली या प्रत्याशियों की वक्तृत्व क्षमता जैसे कारक निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। इसका समाधान है कि सुप्रीम कोर्ट एक स्पष्ट मूल्यांकन ढांचा तैयार करे। भारत के 25 उच्च न्यायालयों में 1,100 से अधिक स्वीकृत न्यायिक पद हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में नियुक्तियां लंबित हैं। यदि प्रत्येक अनुशंसित अधिवक्ता का इंटरव्यू सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा किया जाएगा, तो इससे समय, संसाधनों और मानवीय क्षमता पर भारी दबाव पड़ेगा। वर्ष 2023 के अंत तक उच्च न्यायालयों में करीब 30 प्रतिशत पद रिक्त थे और देश में करीब 4 करोड़ मामले लंबित थे। ऐसे में इंटरव्यू प्रक्रिया इस तरह डिजाइन करनी होगी कि यह नियुक्ति प्रक्रिया को और अधिक विलंबित न करे। इस नए सुधार को न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति संतुलन के निरंतर संघर्ष के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। साल 2014 में सरकार द्वारा न्यायिक नियुक्तियों में कार्यपालिका की भूमिका बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) का गठन किया गया था, जिसे 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक घोषित कर दिया। अब जब न्यायपालिका स्वयं सुधार ला रही है, तो यह न केवल अपनी स्वायत्तता की रक्षा का प्रयास है, बल्कि बाहरी हस्तक्षेप की संभावना कम करने की रणनीति भी हो सकती है। भारत की उच्च न्यायपालिका में महिलाओं, अनुसूचित जाति/ जनजाति, ओबीसी और धार्मिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व आज भी न्यूनतम है। साल 2022 में उच्च न्यायालयों में महिला न्यायाधीशों की संख्या मात्र 13 प्रतिशत थी।

> पहलगाम वाले काण्ड के समय एक घोड़ेवाला नजाकत अली भी था। उसके मेहमान ने उसे कहा था, 'नजाकत, मेरे बच्चों को बचा लेना'। उन दो बच्चों के ऊपर लेट गया था नजाकत गोली चले तो पहली गोली उसे लगे, उसके हिंदू मेहमान के बच्चों को नहीं! यह है हमारी ताकत का रहस्य। बाहर वालों के साथ युद्ध करते समय भी, और अपने भीतर के दुश्मनों के साथ लड़ते समय भी...

बाह्य और आंतरिक चुनौतियों से मुकाबले का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भयावहता और नृशंसता की भर्त्सना दुनिया का हर विवेकशील व्यक्ति कर रहा है। इस तरह की घटनाएं किसी व्यक्ति या समाज के विरुद्ध नहीं होतीं, यह हमला समूची मानवता के विरुद्ध था। पत्नी के सामने पति की हत्या, बेटे के सामने पिता की हत्या, बहन के सामने भाई की हत्या? यह सिर्फ हत्या नहीं है, यह अमानुषिकता का नंगा नाच था। इस काण्ड के विरुद्ध देश भर में क्रोध स्वाभाविक है। जिस तरह इस कृत्य की भर्त्सना हो रही है, और जिस तरह इसका बदला लेने की बात देश कर रहा है, वह किसी भी संवेदनशील समाज की पहचान है। सरकार द्वारा बुलाये गये सर्वदलीय सम्मेलन में देश के सभी राजनीतिक दलों ने एक स्वर से पहलगाम–काण्ड की भर्त्सना की है और इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा उठाये जाने वाले हर कदम को सभी राजनीतिक दलों ने समर्थन दिया है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री उपस्थित रहते तो और अच्छा होता, फिर भी उन्होंने अन्यत्र यह स्पष्ट कर दिया है कि पहलगाम के अपराधियों को ऐसा दण्ड दिया जायेगा जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते। गृहमंत्री ने आततायियों को चुन–चुन कर सजा देने की बात कही है, और देश के रक्षामंत्री ने वचन दिया है कि वह अवश्य होगा जो आप (देशवासी) चाहते हैं। सवाल उठता है कि इस संदर्भ में आज देश की जनता चाहती क्या है?

एक वाक्य में कहें तो कह सकते हैं कि देश पहलगाम के अपराधियों को समुचित सजा देना चाहता है। महत्वपूर्ण है यह तथ्य कि देश बदले की बात नहीं कर रहा। अपराधियों को सजा देना चाहता है। सजा उनको भी जिन्होंने पहलगाम की घाटी में निरपराधों का खून बहाया और उनको भी जो इस सारे काण्ड के पीछे थे। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि आतंक की इन सारी घटनाओं के पीछे पाकिस्तान के उन हुक्मरानों का हाथ रहा है, जिन्हें अपनी कुर्सी के लिए भारत के विरुद्ध विष–वमन करना एक अनिवार्यता लगती है। इसलिए, सजा के भागीदार वे भी हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि इस संदर्भ में हर उचित कार्रवाई के लिए देश की सेना को पूरे अधिकार दे दिये गये हैं। कब, क्या और कहां कार्रवाई करनी है, यह तय करने की स्वतंत्रता सेना को मिल गयी है। अपराधियों को सजा मिलने में देरी की शिकायत करने वालों को यह याद रखना होगा कि युद्ध लड़ने का निर्णय भले ही सरकार करे, युद्ध कैसे लड़ा जाना है यह तय करने का काम सेना का ही होता है। वर्ष 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने सेनाध्यक्ष जनरल मानेकशॉ को यह बताया कि वे तत्काल पाकिस्तान पर हमला करना चाहती हैं तो जनरल ने कहा था, मुझे छह महीने का समय चाहिए। इंदिरा गांधी ने अपने सेनाध्यक्ष की बात मान ली और उस लड़ाई का परिणाम सारी दुनिया ने देखा! तब लड़ाई कैसे और कब करनी है यह सेना ने तय किया था। आज भी यह निर्णय करने का काम सेना का ही है। हमें अपनी सेना पर भरोसा करना चाहिए। अपनी सेना पर भरोसा करने का मतलब अपने आप पर भरोसा करना है। एक बात और भी है जो इस देश को समझनी है। आखिर पहलगाम में नरसंहार करने वाले आतंकियों का उद्देश्य क्या था? प्राप्त जानकारी के अनुसार उन आतंकियों को निर्देश था कि वे भारत को अधिकाधिक नुकसान पहुंचाएं। इस अधिकाधिक का अर्थ सिर्फ ज्यादा से ज्यादा हत्याएं करना नहीं था, उनका उद्देश्य हमारी एकता को चोट पहुंचाना था। इसीलिए नाम पूछ–पूछ कर गोलियां चलायी थीं उन्होंने! वे मुसलमानों को बचाना नहीं चाहते थे, उनका उद्देश्य हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई खोदना और उसे चौड़ा करना था। उन्होंने वही कोशिश की। लेकिन कश्मीर के उस घोड़ेवाले आदिल हुसैन ने अपनी जान देकर यह बता दिया कि भारत के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई खोदने वाले कभी सफल नहीं हो सकते। आदिल अपने मेहमानों की जान बचाने की कोशिश में खुद शहीद हो गया। यह गलत नहीं है कि आजादी मिलने के इन 75 सालों में देश में कई जगह साम्प्रदायिक दंगे हुए हैं। लेकिन सही यह भी है कि ऐसे हर दंगे के बाद देश ने सबक सीखने की कोशिश की है। बहुधर्मी देश है हमारा भारत। शायद ही दुनिया के किसी देश में इतने सारे धर्मों के लोग रहते हों। यह बहुधर्मिता, वैविध्य हमारी ताकत है। हमें इस ताकत पर भरोसा भी करना है और इसे मजबूत भी बनाना है। हमें सभी धर्मों से ऊपर उठकर एक भारतीय होने की अपनी पहचान पर गर्व करने की भावना को मजबूत बनाना होगा। आज सारा देश एक स्वर में पहलगाम के अपराधियों को सजा देने की बात कर रहा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि सब यह चाहते हैं और मांग कर रहे हैं कि अपराधियों को जल्दी से जल्दी सजा मिले। देश पाकिस्तान को भी पाठ पढ़ाना चाहता है। युद्ध की बातें भी हो रही हैं। भारत और पाकिस्तान, दोनों देशों की सेनाएं युद्ध की तैयारी में लगी हैं। सबको यह समझना होगा कि युद्ध में विजयी चाहे कोई भी हो, नुकसान दोनों पक्षों का होता है। हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन यदि युद्ध हम पर थोपा ही गया तो हम आश्वस्त हैं, हमारी सेना पिछले चार युद्धों की तरह अब भी पाकिस्तान को परास्त करेगी। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री रूस और यूक्रेन के नेतृत्व को समझा चुके हैं, 'यह युग युद्ध का नहीं है'।

आज के युग में युद्ध का केवल एक ही मतलब है- विनाश? हम विनाश के पक्ष में नहीं हैं। हमने 'महाभारत' से यह सीखा है कि अंततः युद्ध में सब हारते हैं। लेकिन, वहीं 'गीता' ने हमें यह भी सिखाया है कि जब युद्ध कर्तव्य बन जाये तो जीतने के विश्वास के साथ लड़ा जाना चाहिए।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद कराची स्टॉक एक्सचेंज में 6% की गिरावट

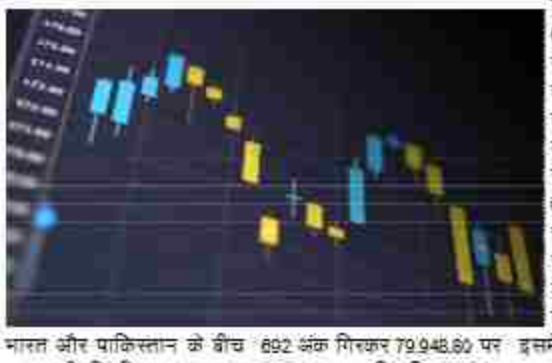

पाकिस्तान पर भारत ने सात मई की रात को जबरदस्त हमला किया है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी स्थलों पर रातोंरात हमला किया है। इस हमले का असर बुधवार को पाकिस्तान के शेयर बाजार में भी देखने को मिला है। पाकिस्तान के शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई है।

पाकिस्तान के मुख्य शेयर बाजार सूचकांक कराची–100 में बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 6,272 अंकों की गिरावट आई जो लगभग 6 प्रतिशत है। इससे पहले मंगलवार को पाकिस्तान का शेयर बाजार 113,568.51 के बंद स्तर की तुलना में 107,296.64 के निचले स्तर पर पहुंच गया। बता दें कि पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले के बाद केएसई–100 सूचकांक में 3.7 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। वहीं इस घटना के बाद घरेलू सेंसेक्स सूचकांक में लगभग 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति लगातार बढ़ रही थी। इसका नकारात्मक प्रभाव पाकिस्तान के शेयर बाजार पर भी पड़ा है। जानकारी के मुताबिक 23 अप्रैल से 5 मई के बीच कराची स्टॉक एक्सचेंज के बेंचमार्क केएसई–100 सूचकांक में 3.7% की गिरावट आई है। ये संभावित सैन्य संघर्ष की आशंकाओं का असर बताया गया है।

ऐसा रहा भारतीय स्टॉक मार्केट का हाल इस बीच, भारत और पाकिस्तान के बीच नए सिरे से तनाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में नर्मी देखी गई है। हालांकि, शुरुआत में सेंसेक्स 692 अंक गिरकर 79,948.80 पर आ गया, जबकि पिछला बंद स्तर 80,641.07 था, लेकिन जल्द ही इसमें सुधार हुआ और यह 200 अंक से अधिक की बढ़त के साथ 80,845 पर पहुंच गया। बाजार में उतार–चढ़ाव जारी रहा और सुबह 10 बजे तक सेंसेक्स 32 अंक या 0.04% की गिरावट के साथ 80,609 पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 80.19 अंक या 0.0% की गिरावट के साथ 24,381 पर पहुंच गया।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत चल रहे भारत–पाक गतिरोध जैसे भू–राजनीतिक तनाव से तत्काल बाजार में अस्थिरता पैदा होती है, जैसा कि हाल ही में निफ्टी और सेंसेक्स में 0.6–0.8% की गिरावट के साथ देखा गया है। हालांकि, लंबी अवधि में बाजार लगातार उबरता रहा है। कारगिल युद्ध के बाद, एक साल के भीतर सेंसेक्स में 33% की वृद्धि हुई। संसद पर हमले के बाद, अगले साल इसमें 20% से अधिक की वृद्धि हुई। मुंबई हमलों के बाद 12 महीनों के भीतर इसमें 80% की वृद्धि हुई और बालाकोट के बाद वर्ष के अंत तक इसमें 15% की वृद्धि हुई।

हालांकि अल्पावधि में सावधानी बरतना उचित है, लेकिन इतिहास बताता है कि स्पष्टता आने पर भारतीय बाजार मजबूत लचीलापन प्रदर्शित करते हैं। जब तक व्यापक आर्थिक या वैश्विक झटके न हों, भारत–पाक तनाव का कोई स्थायी नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। स्मार्टवेल्थ एआई के स्मॉलकेस मैनेजर तथा संस्थापक एवं प्रमुख शोधकर्ता पंकज सिंह ने कहा, निवेशकों को डर पर नहीं, बल्कि बुनियादी बातों पर ध्यान देना चाहिए।

कैमरे में रिकॉर्ड भारतीय मिसाइल की अजीब आवाज, बिखर गई मस्जिदें, फिर पाकिस्तान में होने लगा ये ऐलान

पीओके में तबाही मचाकर आई भारतीय मिसाइल की आवाज रोंगटे खड़े कर देने वाली है। भारत ने आधी रात पीओके में सूरत उगा दिया है। पूरे पाकिस्तान में इस वक्त भगदड़ का माहौल है। इसी भगदड़ के बीच पीओके और पाकिस्तान की मस्जिदों से बड़ी बड़ी घोषणाएं की जा रही हैं। ये घोषणाएं साबित करने के लिए काफी है कि पाकिस्तान में कितनी दहशत फैल गई है। दरअसल, पहलगाम हमले के 15 दिन बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक कर दी है। भारत ने ये बड़ी एयरस्ट्राइक बीती रात डेढ़ बजे की थी। भारत ने इसे ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया।

सैन्य अधिकारियों ने बताया कि भारत ने महज 25 मिनट तक चले एक त्वरित और समन्वित हमले में बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर बालाकोट के बाद से अब तक का सबसे बड़ा सीमा पार हमला किया। ऑपरेशन सिंदूर नाम के इस हमले में वायु, नौसेना और जमीनी संपत्तियां शामिल थीं और इसे 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में अंधेरे की आड़ में अंजाम दिया गया था जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। शीर्ष सूत्रों ने बताया कि इस सटीक हमले में प्रतिबंधित संगठनों जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम), लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े 80 से अधिक आतंकवादी मारे गए। सरकार ने एक ब्रीफिंग में कहा कि सैन्य कार्रवाई को मापा गया और लक्ष्यों का चयन विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया।

सूत्रों के मुताबिक भारत ने इस पूरे ऑपरेशन में 24 मिसाइलें दागी हैं। पीएम मोदी रात भर ऑपरेशन सिंदूर को मॉनीटर करते रहे। भारत के हमले के बाद पाकिस्तान और पीओके की मस्जिदों से ऐलान किया जा रहा है कि भारत ने हम पर हमला कर दिया है। जो कुछ हाथ लग रहा है उसे लेकर भाग जाओ। वरना सभी मारे जाओगे। पाकिस्तान डरते हुए मस्जिदों से घोषणा कर रहा है कि तमाम लोग अपने बच्चे–बुजुर्गों को लेकर ऊपर रोड वाली जगह चले जाएं। हमें हुक्म है कि आप अपनी बस्तियों को थोड़ी देर के लिए वहां से शिफ्ट करें।

सूत्रों ने बताया कि सरकार ने पाकिस्तानी सेना की ओर से सीमा पार से की जा रही गोलीबारी और गोलाबारी के बाद नियंत्रण रेखा के पास के गांवों से नागरिकों को बंकरों में ले जाने का आदेश दिया है। गृह मंत्री अमित शाह बीएसएफ के महानिदेशक, जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ लगातार संपर्क में हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी फोन पर बात की है।

ISI और पुलिस करा रही आतंकियों का अंतिम संस्कार, बिलाल आतंकी कैंप चीफ याकूब मुगल के जनाजे का हैरान करने वाला दृश्य

आतंकवाद को पाकिस्तान की सरकार वहां की सेना और आईएसआई द्वारा खाद पानी दिया जाता है। इस बात को पूरी दुनिया जानती है। अपनी धरती से प्रायोजित आतंकवाद के जरिए दहशत फैलाते हुए और आतंकियों के महफूज पनाहगाह बनने की कई हरकतें पाकिस्तान की तरफ से समय समय पर की जाती रही हैं। लेकिन अब पाकिस्तान की सेना और वहां की सरकार ने आतंकियों के समर्थन का एक और सबूत दुनिया को दे दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में प्रतिबंधित संगठनों जैश–ए–मोहम्मद, लश्कर–ए–तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इस रणनीतिक ऑपरेशन में पाकिस्तान के क्षेत्र में चार ठिकानों पर हमला किया गया, जबकि पांच ठिकानों पर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हमला किया गया। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य हमले किए गए, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय क्षेत्र से सेना, नौसेना और वायुसेना के समन्वित प्रयासों से अंजाम दिया गया। रक्षा मंत्रालय ने इस ऑपरेशन को केंद्रित, मापा हुआ और गैर–उकसावे वाला बताया, जिसमें जानबूझकर पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना नहीं बनाया गया। भारत के इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के कई आतंकी को ठिकाने लगा दिया गया है। पाकिस्तान में बिलाल आतंकी कैंप के मुखिया आतंकवादी याकूब मुगल के अंतिम संस्कार में नमाज अदा की गई। अंतिम संस्कार में पाकिस्तान आईएसआई और पाकिस्तान पुलिस मौजूद रही।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नियंत्रण रेखा के पास के नागरिकों को खाली करने का आदेश दिया, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मनमाने ढंग से गोलीबारी की, जिसमें 10 नागरिक मारे गए और 33 घायल हो गए। यह घटनाक्रम 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के जवाब में भारत के जवाबी कदम ऑपरेशन सिंदूर के कुछ घंटों बाद हुआ, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। शाह सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी, जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से फोन पर लगातार संपर्क में हैं। गृह मंत्री ने नियंत्रण रेखा के पास के नागरिकों को बंकर में सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया और इस बात पर जोर दिया कि उनकी सुरक्षा भारत की प्राथमिकता है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, सेना ने सीमा पार से की गई गोलीबारी का तेजी से जवाब दिया, जिससे कुपवाड़ा और राजौरी–पुंछ सेक्टरों में कई पाकिस्तानी सेना चौकियों को काफी नुकसान पहुंचा है, साथ ही भारी सैन्य हताहतों की भी खबर है। सूत्रों ने बताया कि दोनों सेक्टरों में भारी गोलाबारी जारी है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर भारतीय शेयर बाजार ने ऐसे किया रिएक्ट, घातक हवाई हमले के बाद सेंसेक्स, निफ्टी में भारी उतार–चढ़ाव

भारत द्वारा पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद बुधवार सुबह के कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी उतार चढ़ाव देखने को मिला है। सेंसेक्स ने दिन के उच्चतम स्तर 80,844.63 और दिन के दौरान न्यूनतम स्तर 79,937.48 को छुआ। एनएसई निफ्टी ने दिन के उच्चतम स्तर 24,449.60 और न्यूनतम स्तर 24,220 को छुआ।

सुबह के कारोबार के दौरान दोनों बेंचमार्क सूचकांकों में सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिला। बीएसई बेंचमार्क सूचकांक 37.81 अंक गिरकर 80,553.26 पर और निफ्टी 16.55 अंक गिरकर 24,365.05 पर बंद हुआ। पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देते हुए भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर–ए–तैयबा का ठिकाना भी शामिल है।

पहलगाम हमले के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी पिछड़ गए।

टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, टाइटन, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,794.52 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। एशियाई बाजार में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे।

भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना, जापान को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली 07 मई। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर आई है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह उपलब्धि देश की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति को दर्शाती है। आईएमएफ द्वारा हाल ही में जारी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक्स रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। इन आंकड़ों के साथ ही भारत आर्थिक महाशक्तियों की सूची में एक पायदान ऊपर आ गया है। वर्तमान में, भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी हैं। आईएमएफ की रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि भारत जल्द ही जर्मनी को भी पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। आईएमएफ के आकलन के मुताबिक, भारत 2028 तक जर्मनी को पछाड़ सकता है। इससे पहले, भारत के 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की संभावना है। यदि यह अनुमान सही साबित होता है, तो 2027 में भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि इसी अवधि में जर्मनी की जीडीपी 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, इस साल यानी 2025 में भारत की जीडीपी 6.2% की दर से बढ़ सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले जनवरी में जारी रिपोर्ट में आईएमएफ ने भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5% रहने का अनुमान जताया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका और चीन, अगले 10 साल तक अपनी रैंकिंग बरकरार रख सकते हैं। आईएमएफ की रिपोर्ट इस बात पर भी जोर देती है कि ट्रंप टैरिफ्स जैसे बाहरी कारकों के बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, अगले दो वर्षों तक 6% से अधिक की ग्रोथ रेट बनाए रखने वाला भारत दुनिया का एकमात्र देश होगा। आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमारे अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में 2.8 प्रतिशत की कमजोर ग्लोबल ग्रोथ का अनुमान लगाया गया है, जिसमें 127 देशों की वृद्धि दर में गिरावट शामिल है, जो ग्लोबल जीडीपी का 86 प्रतिशत है।

किसमें कितना है दम? ऑपरेशन सिंदूर के बाद एयर पॉवर पर डालें नजर

आज से छह साल पहले फरवरी के महीने में बालाकोट स्ट्राइक का बदला लेने भारत के वायुसीमा में घुसे पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हमारे वायुयोद्धाओं ने खदेड़ दिया। इसी दौरान विंग कमांडर अभिनंदन ने पुरानी तकनीक वाले मिग 21 से पाकिस्तान के एफ–16 को मार गिराया। भारत ने आधी रात को पाकिस्तान के ऊपर सर्जिकल स्ट्राइक कर उसके घोषित आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के राफेल विमानों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों पर सटीक हमले किए, भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई शक्ति संतुलन पर फिर से चर्चा होने लगी है। भारतीय सशस्त्र बलों ने घातक पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत नौ लक्ष्यों पर सटीक मिसाइल हमले किए, जिनमें से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना को खुफिया जानकारी मिली थी कि स्वास्थ्य केंद्रों की आड़ में आतंकी शिविर संचालित किए जा रहे हैं, ताकि इन ठिकानों पर नजर रखी जा सके। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारत की स्पष्ट तकनीकी और परिचालनात्मक बढ़त को दर्शाती है, जब भारत के राफेल और पाकिस्तान के एफ–16 और जेएफ–सीरीज के जेट विमानों को आमने–सामने रखा जाता है।

राफेल मतलब तेज हवा का झोंका राफेल फ्रेंच भाषा का शब्द है इसका शाब्दिक अर्थ है हवा का तेज झोंका। लेकिन पाकिस्तान व उसके वजीर–ए–आला के लिए इसका अर्थ है डर का तेज झोंका। 4.5 पीढ़ी के लड़ाकू विमान के रूप में वर्गीकृत राफेल, भारतीय वायुसेना के शस्त्रागार में सबसे उन्नत विमान है। भारत के राफेल में भारत–विशिष्ट 13 संवर्द्धन हैं जिनमें उल्का परे–दृश्य–सीमा (बीवीआर) मिसाइल, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध सूट और बेहतर रडार और संचार प्रणाली शामिल हैं। राफेल के थेल्स आरबीई2 एईएसए रडार और स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली बेजोड़ परिस्थितिजन्य जागरूकता और उत्तरजीविता प्रदान करती हैं। ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल किए गए स्कैल्प क्रूज मिसाइल और हैमर बम जैसे सटीक हथियारों को ले जाने की इसकी क्षमता सटीक सटीकता के साथ गहरे हमले के मिशनों को संभव बनाती है। एफ–16: भारत के खिलाफ प्रयोग वर्जित है: अमेरिका से पाकिस्तान को खैरात में मिले एफ–16 विमान बहुत शक्तिशाली हैं, लेकिन इनके सैनिक उपयोग पर सख्त प्रतिबंध हैं। अमेरिकी समझौतों के तहत, पाकिस्तान भारत के खिलाफ आक्रामक अभियानों के लिए एफ–16 या अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए हथियारों का उपयोग नहीं कर सकता है। उनकी तैनाती आतंकवाद विरोधी और आंतरिक रक्षा भूमिकाओं तक ही सीमित है। लगभग 75 विमानों वाले इस बेड़े को वित्तीय बाधाओं और अमेरिकी निगरानी के कारण रखरखाव संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे परिचालन उपलब्धता सीमित हो रही है। हालांकि एफ–16 विमान हवाई लड़ाई में बेहतर हैं और एआईएम–120सी5 एएमआरएएएम मिसाइलों से लैस हैं, लेकिन इनमें राफेल की तरह उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और बीवीआर क्षमताएं नहीं हैं।

प्रदेश संगठन मंत्री का शिक्षकों ने किया स्वागत

हैदरगढ़ बाराबंकी(आरएनएस)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षा संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे द्वारा ब्लॉक सिद्धौर में कार्यरत शिक्षक एवं वर्तमान में प्राथमिक शिक्षक संघ बाराबंकी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ देवेंद्र द्विवेदी को प्रदेश संगठन मंत्री मनोनीत किए जाने पर प्राथमिक शिक्षा संघ की ब्लॉक इकाई हैदरगढ़ द्वारा जिला उपाध्यक्ष डॉ विवेक कुमार गुप्ता की अगुवाई में ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह,महामंत्री कुलदीप मिश्रा,कोषाध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा हैदरगढ़ प्रथम आगमन पर प्रदेश संगठन मंत्री डॉ देवेंद्र द्विवेदी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया एवं मुंह मीठा कर मनोनीत होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। डॉ देवेंद्र द्विवेदी द्वारा कहा गया कि प्राथमिक शिक्षक संघ शिक्षक हित में सदैव काम करता रहा है चाहे वह पुरानी पेंशन की मांग हो, वेतन आयोग या फिर शिक्षकों से जुड़े हुए अन्य मुद्दे सुशील पांडे के नेतृत्व में संगठन सदैव शिक्षक हित में काम करता रहा है और आगे भी एकजुट होकर काम करता रहेगा।

आरक्षण के जनक थे छत्रपति शाहूजी महाराज

देवरिया। छत्रपति शाहू जी महाराज ने 28 जुलाई 1902 को एक आर्डर पास कर अपने राज्य की नौकरियों में 50 प्रतिशत पद पिछड़े वर्ग (एससी–एसटी, ओबीसी) के लिए आरक्षित किया था। वह भारत में आरक्षण के जनक थे। यह कहना है सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव का। वह दुवरी स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय पर शाहू जी महाराज के स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सुरेंद्र नारायण सिंह, सोनू यादव, दयानंद यादव, रमन भारती, मानसिंह यादव, अशोक यादव आदि मौजूद रहे।

घायल चौकीदार की इलाज के दौरान मौत

देवरिया। दुल्हे के रथ की चपेट में आने से घायल चौकीदार की देर रात मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। परिवार के लोग बिना पोस्टमार्टम कराए उसे मेडिकल कॉलेज से घर ले गए। इसकी जानकारी होते ही कोतवाली पुलिस उसके घर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के बनगौली पांडेय गांव निवासी रामप्रीत कुशवाहा (58) गांव के चौकीदार थे। शाम काम निपटाने के बाद वह कोतवाली से बाहर निकल सड़क पार रहे थे। इसी बीच बस स्टैंड की तरफ से आ रहे दुल्हे की एक रथ ने टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिसकर्मियों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। कोतवाल संतोष कुमार ने बताया कि घायल चौकीदार की इलाज के दौरान मौत हो गई है।

सेना ने ढेर किया पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने, पटाखे फोड़कर बढ़ाया मनोबल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आतंकवाद के विरुद्ध थल सेना, वायुसेना और नौसेना ने एकजुट होकर पाकिस्तान और पीओके में मौजूद

9 आतंकवादी ठिकानों को एक ही रात में निशाना बनाये जाने पर देशवासियों में खुशी की लहर है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा के संयोजन में कटेश्वर पार्क के निकट पटाखे फोड़कर खुशियों को साझा किया गया। भाजपा नेता अंकुर वर्मा ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछकर 26 पर्यटकों की क्रूरतम हत्या के बाद देश गुस्से में था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को भरोसा दिलाया था कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। 90 से अधिक आतंकवादियों को ढेर कर सैनिकों ने पहलगाम का बदला ले लिया। कहा कि यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत किया तो उसे करारा जवाब मिलेगा। अब देश बदल रहा है। कायरता स्वीकार्य नहीं किया जायेगा। पटाखा फोड़कर सैनिकों का मनोबल बढ़ाने वालों में मुख्य रूप से सोनू पाण्डेय, दिनेश गुप्ता, पंकज चौधरी, सचिन शुक्ला, भावेश पाण्डेय, अलोक सरकारी, आदर्श पाठक, विवेक श्रीवास्तव, विक्रम चौहान, चिंटू मिश्रा, सूरज गुप्ता, सत्येन्द्र मिश्रा, गणेश श्रीवास्तव, संतोष भारद्वाज, अश्वनी श्रीवास्तव, विकास वर्मा, रत्नेश पाण्डेय, अरुण पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

आपरेशन सिन्दूर से खुशी की लहरः विश्व हिन्दू महासंघ ने बाटी मिठाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय सेना द्वारा आपरेशन सिन्दूर के द्वारा

पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को तबाह कर दिये जाने से खुशी की लहर है। बुधवार को पाकिस्तान पर किये गये आपरेशन सिन्दूर को लेकर विश्व हिंदू महासंघ ने जिला अस्पताल चौराहे पर जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दिया। अखिलेश सिंह ने कहा कि देश ने पहलगाम में हुये आतंकी हमले का बदला ले लिया है। यदि आपरेशन सिन्दूर के बाद पाकिस्तान ने कोई हरकत किया तो उसे इससे बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देने का जो वादा किया था उसे पूरा कर दिया। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रतापसिंह ने कहा कि भारत ने आतंकवाद को कड़ी चुनौती देकर पाकिस्तान को सबक सिखा दिया है। एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों को साझा करने वालों में मुख्य रूप से दिग्विजय सिंह, मनोज सिंह, सौरभ तिवारी, किशु गुप्ता, अमर सिंह, राजेश सिंह, हरीश सिंह, अमित सिंह, राकेश सिंह, विपिन सिंह, अर्पण श्रीवास्तव, उपेन्द्र सिंह, जय सिंह, जमुना प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

भए प्रगट कृपाला, दीन दयाला, कौशल्या हितकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। श्रीराम का जीवन ऐसा पवित्र है कि उनके स्मरण मात्र से हम पवित्र हो जाते हैं। उनका अवतार जगत को मानव धर्म उपदेश के लिये था। सभी दिव्य गुण जिसमें एकत्र होते हैं वही परमात्मा है। लक्ष्मण विवेक, भरत वैराग्य और शत्रुघ्न सद विचार स्वरूप हैं। चंदन और पुष्प से श्रीराम की सेवा करना अच्छी बात है किन्तु उनकी मर्यादा का पालन सर्वोत्तम है। जिसका व्यवहार रामजी जैसा होगा उसकी भक्ति सफल होगी। यह सद्विचार स्वामी रामेश्वर नारायण जी महाराज ने नगर बाजार के श्री हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में श्री हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार के बाद मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त आयोजित 9 दिवसीय श्रीराम कथा में व्यक्त किया। कथा पाण्डाल में श्रीराम जन्मोत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। जैसे ही श्रीराम का जन्म हुआ 'भए प्रगट कृपाला, दीन दयाला, कौशल्या हितकारी' के गान के साथ वातावरण प्रसन्नता से भर गया।

श्रद्धालु भक्तों ने फूलों की वर्षा किया और सिया वरराम चन्द्र की गूंज से कथा पाण्डाल गूंज उठा। विप्र धेनु सुर संत हित, लीन्ह मनुज अवतार। निज इच्छा निर्मित तनु माया गुन गो पार।। के माध्यम से श्रीराम जन्म के कारकों की व्याख्या करते हुये महात्मा जी ने कहा कि बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना। कर बिनु करम करइ विधि नाना।। परमात्मा सर्व समर्थ है। जैसे ही श्रीराम का जन्म हुआ आकाश से देव और गन्धर्वों ने पुष्प वर्षा किया। महात्मा जी ने कहा धरती पर श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का जन्म हुआ। दशरथ के घर साक्षात पर ब्रम्ह श्री हरि पैदा हुये। जो निर्गुण थे वही भक्तों के प्रेम के कारण सगुण हो गये। चैत्र मास शुक्ल पक्ष और नवमी तिथि को मध्यान्ह में श्रीराम ने धरा पर अवतार लिया। श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान शेषमणि गुप्त, शकुन्तला देवी, चिरंजी गुप्ता, मंजू देवी ने पूजन किया। मुख्य रूप से नगर पंचायत नगर अध्यक्ष नीलम सिंह राना, राना दिनेश प्रताप सिंह, विष्णु कसौधन, संजय गुप्ता, रामधनी कसौधन, शिवम, प्रिन्स, रमेश कसौधन, चंदन गुप्ता, राजू गौड़, आशीष सिंह, श्रुति अग्रहरि, दुर्गेश, दिलीप, अरविन्द कुमार, नरेन्द्र पाण्डेय, सत्येन्द्र सिंह, विजय श्रीवास्तव, रंजीत सिंह, श्रवण कसौधन, सुनील श्रीवास्तव, रीना कसौधन, माधुरी, मन्नी कसौधन के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

देर रात में बहाल हो पाया देवरिया–गोरखपुर रेल संचालन

देवरिया। शहर के बीआरडी पीजी कॉलेज से पांच सौ मीटर आगे रेलवे के ओएचई लाइन पर पेड़ गिरने से रात देवरिया–गोरखपुर रेल मार्ग बाधित रहा। इससे विभिन्न स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों में यात्री फंसे रहे। देर रात करीब एक बजे अप और डाउन मार्ग को बहाल किया गया। इसके पूर्व डाउन मार्ग सही होने पर एक–एक ट्रेनों को रवाना किया गया।

रात करीब 8:30 बजे आंधी–बारिश के चलते देवरिया–गोरखपुर रेलवे लाइन पर बीआरडी पीजी कॉलेज के पास 131 रेलवे ढाले से पांच सौ मीटर दूर ओएचई लाइन पर एक पेड़ आ गिरा। इससे डाउन मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन दो घंटे तक प्रभावित हुआ। टावर वैन और आरपीएफ की टीम ने पेड़ को काटकर हटाने का कार्य शुरू किया। इस दौरान अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस, वैशाली एक्सप्रेस, पाटलिपुत्र लखनऊ एक्सप्रेस, कृषक एक्सप्रेस, अवध असम एक्सप्रेस, उदयपुर सिटी वीकली एक्सप्रेस, अयोध्या धाम मटनी मेमू सहित अन्य ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर खड़ी रहीं। रात करीब 10:05 पर डाउन मार्ग को किसी तरह बहाल किया गया। इसके बाद इस मार्ग से सबसे पहले जनसेवा, फिर क्रमशः वैशाली, कृषक व पाटलीपुत्र एक्सप्रेस को धीरे–धीरे गुजारा गया। अप मार्ग को देर रात करीब 1:10 बजे बहाल किया गया। देवरिया सदर के स्टेशन अधीक्षक संदीप भटनागर ने बताया कि बीआरडी पीजी कॉलेज के ढाला संख्या 131 से कुछ आगे ओएचई तार पर पेड़ गिरने से रात में ट्रेनें कई रेलवे स्टेशनों पर खड़ी होने से विलंब हुईं।

पैसेंजर ट्रेनों के बहाल नहीं होने से बढ़ी परेशानी

मेगा ब्लॉक समाप्त होने के बाद भी रेलवे प्रशासन की ओर से पैसेंजर ट्रेनों को बहाल नहीं किया गया है। इससे लोकल यात्रियों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। बड़ी संख्या में आसपास के रेलवे स्टेशनों से लोग देवरिया खरीदारी करने आते हैं। पैसेंजर ट्रेनों के चलने से बाजार में भीड़ भी बढ़ जाती है। गोरखपुर कैंट–सिवान पैसेंजर व छपरा–गोरखपुर पैसेंजर निरस्त रहीं।

दुश्मन देश के हमले से बचाव को लेकर की जाएगी मॉक ड्रिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी/नियंत्रक नागरिक सुरक्षा पवन अग्रवाल की अगुवाई में बुधवार 07 मई को गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल की जाएगी। संयुक्त जिला चिकित्सालय में हवाई हमले से बचाव को लेकर 4:00 बजे मॉक अभ्यास किया जाएगा। वहीं पुलिस लाइन में सायं 5:30 बजे हवाई हमले की सूचना पर ब्लैक आउट का मॉक अभ्यास किया जाएगा। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य शत्रु देश द्वारा संभावित हवाई हमले के दौरान अपने नागरिकों को युद्धकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रहने हेतु प्रशिक्षित करना एवं तैयार करना है। मॉक ड्रिल के माध्यम से नागरिकों को संभावित हमले से निपटने एवं तैयार करना एवं उसमें मुख्य भूमिका जिला प्रशासन आपदा प्रबंधन इकाई व नागरिक सुरक्षा बलों की तत्परता की जाँच भी करना है। जिलाधिकारी ने मॉक ड्रिल में किये जाने वाले प्रमुख कार्यों के बारे में बताया कि हवाई की चेतावनी, सायरन बजाकर नागरिकों को संभावित हवाई हमले की सूचना देना, नगर के प्रमुख स्थानों पर मॉक सायरन सिस्टम का परीक्षण करना, जन–जागरूकता एवं प्रशिक्षण, स्कूलों, कॉलेजों व सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों को यह सिखाना कि हवाई हमले की स्थिति में स्वयं को कैसे सुरक्षित रखें जैसे जमीन पर लेटना, खिड़कियाँ बंद करना, सिर पर तकिया या बैग रखने आदि की जानकारी दी जाएगी। ब्लैकआउट के दौरान प्रबंधन एवं उसे त्वरित गति से सक्रिय करते हुए प्रतिक्रिया स्वरूप ब्लैक आउट का सफल क्रियान्वयन कराना और निर्धारित समय पर बिजली बंद करना ताकि रात में दुश्मन को कोई लक्ष्य न दिखे। आम नागरिकों को घरों में पर्दे लगाने व बिना रोशनी के रहने का अभ्यास कराया जाएगा। महत्वपूर्ण भवनों, कार्यालयों की सुरक्षा, जिला मुख्यालय, थाना, अस्पताल और टेलीफोन एक्सचेंज आदि स्थानों की सुरक्षा के विशेष इंतजाम सुनिश्चित कराये जाएंगे तथा प्रमुख एवं संवेदनशील स्थानों की पहचान छिपाने हेतु नकली छावनियाँ तैयार करना, तथा आपात स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित निकालने की कार्यवाही कराना तथा घनी बस्तियों से नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का मॉक ड्रिल किया जाएगा। मॉक ड्रिल में दुश्मन के हमले से घायलों को रेस्क्यू कराना एवं प्राथमिक उपचार अभ्यास, सिविल डिफेन्स, रेड क्रॉस, एनसीसी, एनएसएस तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा बचाव कार्यों का प्रदर्शन तथा घायल नागरिकों को त्वरित प्राथमिक चिकित्सा पहुँचाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि मॉक ड्रिल के लिए समन्वय इकाई स्थानीय पुलिस प्रशासन, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सिविल डिफेंस टीम, स्वास्थ्य विभाग, फायर ब्रिगेड, शिक्षा विभाग, विद्युत विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों की सहभागिता रहेगी।

वक्फ सुधार कानून मुस्लिम समुदाय के हित में–मोहसिन राजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर/पचपेड़वा। वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के तहत भाजपा की ओर से पचपेड़वा स्थित मन्नत मैरिज हाल में बुधवार को अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री मोहसिन रजा ने अल्पसंख्यक समाज से वक्फ में सुधार को लेकर बनाए कानून को समर्थन की अपील की। उन्होंने कहा कि वक्फ सुधार कानून मुस्लिम समुदाय के हित में है। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मोहसिन रजा ने बुधवार को पाकिस्तान में भारत की ओर से आपरेशन सिंदूर करने पर भारतीय सैनिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की इच्छा के कारण आज पाकिस्तान में आतंकवादियों को करारा जवाब दिया गया है। मोदी के नाम आतंकवादी थर–थर कांप रहे हैं। भारत की ओर आंख दिखाने वालों को सौ बार सोचना पड़ेगा। यह मोदी का नया भारत है। वक्फ कानून पर बोलते हुए पूर्व मंत्री ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। कहा कि कांग्रेस की सरकार ने मुस्लिम समाज को छलने का काम किया है। देश में गांधी परिवार के तीन प्रधानमंत्री थे लेकिन गरीब मुस्लिम परिवारों की भलाई का कोई काम नहीं किया। पीएम नरेन्द्र मोदी ने वक्फ सुधार कानून लाकर कांग्रेस के भ्रष्टाचार को समाप्त करने का काम किया है। अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सम्मान अफरोज ने कहा कि वक्फ बोर्ड में सिर्फ गरीब मुस्लिम परिवारों का शोषण होता आया है। किसी की भी जमीन पर वक्फ बोर्ड अपना दावा ठोक कर उस जमीन को हथियाने का काम करता है। पीड़ित व्यक्ति न्याय के लिए कहीं भी गुहार नहीं

लगा सकता था। देश में सबसे ज्यादा जमीनें भ्रष्टाचार के बल पर वक्फ बोर्ड ने हासिल किया। कांग्रेस पार्टी ने वक्फ बोर्ड के भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का कार्य किया है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर विधायक तक इस भ्रष्टाचार में शामिल हैं। गैसड़ी पूर्व विधायक शैलेश सिंह शैलू ने कहा कि वक्फ कानून गरीब मुस्लिम समाज के हित में है। हमें अल्पसंख्यक समुदाय के बीच जाकर इस वक्फ कानून को लेकर फैली भ्रांति को दूर करना है। भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि पीएम मोदी सबका साथ सबका विकास के विजन पर काम कर रहे हैं। मोदी ने बड़े–बड़े फैसले देश हित में लिए हैं। वक्फ कानून को अल्पसंख्यक समाज को अपना पूरा समर्थन देना चाहिए क्योंकि सबसे ज्यादा प्रभावित गरीब मुस्लिम समाज के लोग हैं। कार्यक्रम संयोजक बिंदु विश्वकर्मा ने आए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम सह संयोजक मयूर सूर्यवंशी, अब्दुल अजीज खान, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष जमील अहमद, ब्लाक प्रमुख गैसड़ी शक्ति सिंह, नगर पंचायत पचपेड़वा अध्यक्ष रवि वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष मिस वर्मा, अब्दुल रब, डॉ अफजल हुसैन, डॉ शफीकुल्ला खां, डॉ शफीक खां, कमाल अहमद शाह, अभिषेक सिंह व दयाराम प्रजापति सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत निर्मित पेयजल योजना को घर पहुंचने के लिए किया प्रेरितःविधायक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गैसड़ी/बलरामपुर। स्थानीय विकास खंड गैसड़ी के अंतर्गत ग्राम पंचायत नचौरी में कार्यदायी संस्था एलएनटी द्वारा शुद्ध

पेयजल के लिए टंकी का निर्माण पूरा कराकर हर व्यक्ति तक शुद्ध पेयजल मुहैया कराने को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक गैसड़ी राकेश कुमार यादव ने उद्घाटन किया एवं मौजूद ग्रामीणों को सुझाव देते हुए कहा कि शुद्ध पेयजल के लिए ग्राम पंचायत में पानी टंकी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है लोगों को स्वस्थ रहने के लिए शुद्ध पेयजल प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने बताया कि स्वच्छ जल जीवन के लिए अमूल अमृत समान है शरीर में तीन हिस्सा पानी है जिसे हमेशा शुद्ध पेयजल के जरिए स्वस्थ रखना जरूरी है। ग्राम पंचायत में कुल 284 उपभोक्ताओं को पेयजल कनेक्शन दिया गया है सभी घरों तक अब आसानी से स्वच्छ पेयजल पहुंचेगा। इस मौके पर पूर्व विधायक रामसागर अकेला, समीउल्ला खां, कार्यदायी संस्था एलएनटी के प्रोजेक्ट मैनेजर आदित्य राय, अवर अभियंता मनोज कुमार, अधिशासी अभियंता सन्दीप सिंह, सहायक अभियंता जितेंद्र कुमार, आशीष यादव, विपिन कुमार, शेषराम यादव, सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जूनियर शिक्षक संघ के तीसरी बार बने अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

विशेश्वरगंज/बहराइच। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ शाखा

विशेश्वरगंज के त्रैवार्षिक अधिवेशन/निर्वाचन में अखिलेश मिश्रा ने तीसरी बार जीत दर्ज कर शानदार हैट्रिक लगायी। मंगलवार को बीआरसी कार्यालय पर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के त्रैमासिक निर्वाचन में 11 पदों पर सम्पन्न हुये निर्वाचन में अध्यक्ष पद पर चुनाव तथा शेष पर निर्विरोध निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी हुई। पर्यवेक्षक भानु प्रताप मिश्रा, चुनाव अधिकारी ओबेदुर रहमान व अनुराग मिश्र की देखरेख में संपन्न हुये अध्यक्ष पद के निर्वाचन में कुल 85 शिक्षकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें अखिलेश कुमार मिश्र को 52 तथा प्रशांत सिंह को 33 मत प्राप्त हुये। निवर्तमान अध्यक्ष अखिलेश मिश्र ने प्रशांत सिंह को 19 मतों के अंतर से पराजित कर लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद पर अपना कब्जा बरकरार रखा मंत्री पद पर सुशील कुमार मिश्र तथा कोषाध्यक्ष पद पर अरविंद शुक्ला सहित उपाध्यक्ष, संगठन मंत्री के पदों पर निर्विरोध निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पन्न हुयी। जिलाध्यक्ष विद्याविलास पाठक, मंत्री प्रवीण श्रीवास्तव, यादवेंद्र यादव, रामकुमार पाण्डेय, अतुल त्रिपाठी व अनीस अहमद खान की मौजूदगी में निर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण कर संगठन की मजबूती और शिक्षक हितों में कार्य करने की शपथ ली। इस अवसर पर निर्वाचित पदाधिकारियों को शिक्षकों ने माला पहनाकर तथा मिष्ठान खिलाकर जीत की बधाई व शुभकामनाएं दी इस दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक संघ के जिलाध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र, शरद शुक्ला, शिक्षक नेता उमाकांत तिवारी, असित मिश्र, महिला उपाध्यक्ष विमला त्रिपाठी, देवीप्रसाद तिवारी, कैलाशनाथ गिरी, भागीरथ तिवारी, देवता दीन शुक्ल, आशीष पाण्डेय, अनूप सोनी, पुनीत अग्रवाल सहित दर्जनों शिक्षिकाएं व शिक्षक मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में किशोर की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

गैसड़ी/बलरामपुर। स्थानीय थाना गौरा चौराहा के चौकी जैतापुर के चौबेपुर के पास तिलकहना पचपेड़वा निवासी अनूप पुत्र जगदीश को उतरौला की तरफ से जैतापुर की तरफ जा रहे किसी अज्ञात वाहन ने टोकर मार दी जिससे अनूप बुरी तरह जख्मी हो गया। जैतापुर की पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल को सीएचसी नन्दनगर ले गई जहां चिकित्सकों ने अनूप को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने कार्रवाई की जाएगी।

हमारा कल मिलेगा तुलसी के मानस में : रामायण धर द्विवेदी

भारतीय ज्ञान परंपरा में राम चरित मानस की महत्वपूर्ण भूमिका–गोपेश्वर त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। महिला महाविद्यालय, बस्ती में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनुदानित कल्चरल क्लब इस्पृहार, यू.जी.सी. एम.एम.टी. टी.सी. एच.आर.डी.सी.जोधपुर, राजस्थान तथा प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, महिला महाविद्यालय बस्ती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय ज्ञान परम्परा: रामायण और रामचरितमानस के विशेष संदर्भ में में दिनांक 07 मई 2025 को संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। इस संगोष्ठी की संयोजक डॉ. रुचि श्रीवास्तव, आयोजन सचिव प्रो. सुनीता तिवारी (प्राचार्या) एवं संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. नूतन यादव व डॉ. सुधा त्रिपाठी हैं। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि रामायण धर द्विवेदी (कवि एवं साहित्यकार), मुख्य वक्ता डॉ. डी.पी. शर्मा (इंदिरा संग्रह राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली के पूर्व प्रमुख), प्रतिष्ठित वक्ता श्री गोपेश्वर त्रिपाठी (कवि एवं साहित्यकार), विशिष्ट अतिथि प्रो. अभय प्रताप सिंह (प्राचार्य, ए.पी.एन. पी.जी. कालेज बस्ती), विशिष्ट अतिथि प्रो. रीना पाठक (प्राचार्या, पं. शिवहर्ष किसान पी. जी. कॉलेज, बस्ती) एवं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुनीता तिवारी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुनीता तिवारी ने मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, प्रतिष्ठित वक्ता एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत सम्मान स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुनीता तिवारी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय में निरन्तर हो रहे कार्यक्रमों से महाविद्यालय परिवार का मनोबल बढ़ता है। कार्यक्रम की श्रृंखला में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सुनीता तिवारी, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, प्रतिष्ठित वक्ता एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा अभिलेख सार संग्रह का विमोचन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. डी.पी. शर्मा ने रामवनगमन मार्ग का पुरातात्विक विश्लेषण करते हुए बी.बी. लाल के श्रृंगवेरपुर, हस्तिनापुर (मेरठ) एवं बिठूर (कानपुर) के अध्ययन को प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात समाज सेवी एवं मानस

मर्मज्ञ गोपेश्वर त्रिपाठी ने राम–लक्ष्मण प्रसंग (लंका विजय के पश्चात) के माध्यम से राम के व्यक्तित्व के राष्ट्र पक्ष को प्रस्तुत किया। गोपेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में राम चरित मानस की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि प्रो. रीना पाठक ने सनातन धर्म के ऐतिहासिक परिदृश्य में तुलसीदास की भूमिका को प्रस्तुत करते हुए, रामचरितमानस में समाहित पुरुषार्थ का विशद विवेचन किया। मुख्य अतिथि श्री रामायण धर द्विवेदी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में रामायण और रामचरितमानस के महत्व को प्रस्तुत करते हुए कहा कि जीवन प्रबंधन का ग्रंथ है श्रीरामायण और रामचरितमानस, यह ऊर्जा का केंद्र है। उद्घाटन सत्र के अंत में आभार ज्ञापन प्रख्यात समाजशास्त्री डॉ. रघुवर पाण्डेय ने दिया। संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन डॉ. रुचि श्रीवास्तव एवं मंच का संचालन डॉ. नूतन यादव ने किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण के प्रथम तकनीकी सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मनोज मिश्रा (सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, संत कबीरनगर) ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में रामायण और रामचरितमानस को ऐतिहासिक संदर्भ में प्रस्तुत करते हुए, कालक्रम के मत भिन्नता पर प्रकाश डाला। साथ ही प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. ऋषिकेश बहादुर (सहायक आचार्य, पटना ट्रेनिंग कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय) ने विश्व कल्याण और आत्म विकास के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता को प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र में सर्व प्रथम पुरातन छात्रा समागम आयोजित किया गया जिसमें प्रमुख रूप से डॉ. रंजना त्रिपाठी, समाज सेविका प्रीति श्रीवास्तव, डॉ. सौम्या पाल, डॉ. संध्या राय, मानवी सिंह, डॉ. पूजा गुप्ता, प्रियंका यादव ने अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियों को साझा किया। पुरातन छात्रा समागम कार्यक्रम की संयोजक और कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा सिंह ने किया। द्वितीय तकनीकी सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजेश तिवारी सहायक आचार्य प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, पं. महादेव शुक्ल, चक स्नातकोत्तर कॉलेज, गौर, बस्ती ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में रामायण और रामचरितमानस के संदर्भ में जनसहभागिता की प्रासंगिकता को प्रस्तुत किया, साथ ही संस्कृत भाषा की विलुप्तता को जनसहभागिता में कमी का एक महत्वपूर्ण आधार बताया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिवस के दो तकनीकी सत्रों में ऑनलाइन और ऑफलाइन कुल 80 शोध पत्र पढ़े गए। डॉ. सीमा सिंह, डॉ. रघुनाथ चौबे, डा. रोहित सिंह, सूर्य कांत ओझा, प्रधानाचार्य सिद्धू ओझा, डॉ. सिमता सिंह, डॉ. सुहासिनी सिंह, डॉ. संतोष यदुवंशी, श्रीमती नेहा परवीन, डॉ. प्रियंका पांडेय, डॉ. कमलेश पांडेय, नेहा श्रीवास्तव, मोनी पांडेय, दुर्गेश गुप्ता, श्री गिरिजानंद राय, अवनभरणि त्रिपाठी, सूर्या उपाध्याय, श्रीमती पूनम यादव, श्री अनुराग शुक्ला सहित विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक, शोध छात्र, पुरातन छात्राएं एवं महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं के अवशेष कार्यों को शीघ्र करें पूर्ण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक की गयी, बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित निर्माणाधीन परियोजनाओं के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन अन्तर्गत जनपद में निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं के अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करायी जाये, इसमें किसी स्तर पर शिथिलता न बरती जाये, उन्होंने कहा कि अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) व अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा निरन्तर निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण सुनिश्चित किया जाये, उन्होंने कहा कि जनपद के टैंकर के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की जा रही है, उन ग्रामों में पाइप पेयजल योजनाओं की कमियों का निराकरण कराते हुये नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाये, अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि पटवध ग्राम समूह पेयजल योजनान्तर्गत पूर्ण हो चुकी ओ0एच0टी0 एवं पाइप लाइन की टेस्टिंग कराते हुये ग्रामों में जलापूर्ति प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करें, जनपद में निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं के स्रोत में जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने

हेतु सिंचाई विभाग के संबन्धित अधिशासी अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया, सोन नदी पर निर्मित पेयजल योजनाओं के इंटेकवेल पर जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु जल विद्युत उत्पादन निगम, ओबरा के अधिशासी अभियन्ता तथा कार्यपालक यंत्री बाण सागर, जल संसाधन विभाग, सहडोल (म0प्र0) से समन्वय स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया, बेलाही, पनारी, झीलो–बीजपुर एवं पटवध ग्राम समूह पेयजल योजना में अवशेष स्वतंत्र फिडर का कार्य कराये जाने के दृष्टिगत वन विभाग से अपेक्षित अनापत्ति प्रमाण पत्र शीघ्र प्राप्त करते हुये कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड रॉबर्ट्सगंज/ पिपरी को निर्देशित किया गया। जल जीवन मिशन अन्तर्गत जनपद में निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं के सुचारू संचालन के लिये विद्युत विभाग से स्वतंत्र फिडरों को रोस्टर मुक्त कराने के लिये अधिशासी अभियन्ता, (वि0/ यॉ0) उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि जिन ग्रामों में जल जीवन मिशन के माध्यम से जल आपूर्ति प्रारंभ हो गयी है, की सूची अधिशासी अभियन्ता जल निगम उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें उन ग्रामों का निरीक्षण जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाये, यदि उन ग्रामों में जल आपूर्ति सम्बन्धित कोई समस्या प्राप्त होती है, तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, जिन एजेन्सियों द्वारा अब तक जल जीवन मिशन से सम्बन्धित कार्य अब तक पूर्ण नहीं किया गया है उसे त्वरित गति से पूर्ण करना सुनिश्चित करें अन्यथा की दशा में उनके विरूद्ध शासन स्तर पर पत्राचार किया जायेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी(नमामि गंगे) रोहित यादव, अधिशासी अभियन्ता जल निगम अरूण सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सदस्य राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग उ0प्र0 का जनपद में आगमन 09 को

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। सदस्य राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग उ0प्र0 सत्येन्द्र बारी का जनपद सोनभद्र में 09 मई 2025 को भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित है। माननीय सदस्य 09 मई 2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे स्थानीय सर्किट हाउस में संबंधित समस्त अधिकारीगणों के साथ बैठक करेंगे, अपरान्ह 03.00 बजे विश्व हिन्दू परिषद क्षेत्र सत्संग प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश (लखनऊ क्षेत्र) दिवाकर त्रिपाठी जी के यहां मांगलिक कार्यक्रम में ग्राम–कोहरथा, पोस्ट–पड़रिया चोपन में प्रतिभाग करेंगे, इसके बाद अपने गन्तव्य के लिए रवाना होंगे।

28 निर्दोश देश वासियों के लिए है सच्ची श्रद्धांजलि–रोशन लाल यादव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जनपद न्यायालय सोनभद्र परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता

रोशन लाल यादव की अगुआई में अधिवक्ताओं ने भारत के द्वारा पाकिस्तान के सिंदूर सेक्टर में आक्रमण करने पर भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए और एक दूसरे अधिवक्ता को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। अधिवक्ता रोशन लाल यादव ने कहा कि सटीक समय पर भारतीय सेना ने पहलगाम के हत्यारों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमला कर पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध का आगाज कर दिया है। पहलगाम घटना में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 28 निर्दोष देश वासियों की आत्मा को निश्चित रूप से भारतीय सेना की इस कार्यवाही से श्रद्धांजलि अर्पित हुई। यह भी कहा कि देश वासियों को भरोसा है कि भारतीय सेना समूचे पाकिस्तान में घुस कर उनके आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर देगी। जश्न मनाने वालों में प्रमुख रूप से अधिवक्ता रामचंद्र सिंह, गया नाथ मौर्य, बब्बन सिंह यादव, प्रभात कुमार मिश्रा, ओम प्रकाश, सुनील मालवीय, रामकेश पाल, धीरेन्द्र पटेल, बबुनंदन सिंह, आशीष कुमार पांडेय, पवन शर्मा, श्री राम पाण्डेय, परमानंद शामिल रहे।

राजकीय इंटर कॉलेज में सिविल डिफेंस ड्रिल, बच्चों को आपदा प्रबंधन की दी गई जानकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। राजकीय इंटर कॉलेज चोन में बुधवार को सिविल

डिफेंस मार्क ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं को आपदा प्रबंधन के तहत जरूरी सावधानियों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने की बजाय संयम से काम लें और सरकारी दिशा–निर्देशों का पालन करें। ड्रिल के दौरान प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता ने कहा कि अफवाहों से बचना जरूरी है। किसी भी आपदा की स्थिति में रेडियो और अन्य आधिकारिक माध्यमों से प्रसारित सूचनाओं पर ही भरोसा करें। उन्होंने बच्चों को सायरन बजने की स्थिति में निचली मंजिल पर जाकर बेंच या मजबूत स्थान के नीचे छिपने की सलाह दी। साथ ही, लिफ्ट का प्रयोग न करने और खिड़कियों से दूर रहने की भी हिदायत दी। बच्चों को आपात स्थलों की पहचान कराई गई और बताया गया कि ब्लैकआउट का पालन कैसे किया जाए। आपातकालीन स्थिति में आवश्यक सामान जैसे टॉर्च, पानी, प्राथमिक उपचार किट आदि अपने पास रखने की सलाह दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि दौड़ने या घबराने से नुकसान हो सकता है इसलिए शांत रहें और जरूरत पड़ने पर आपातकालीन नंबर 112, 108 या 101 पर सहायता लें। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिशिर कुमार, शिक्षक बजरंगी कुमार, सरकारी अस्पताल से डॉ. जय कुमार, जिला आपदा प्रबंधन विभाग से अनुज कुमार और सिकंदर प्रसाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान लक्ष्मी कुमार जायसवाल, संतोष पासवान, वसीउल अहमद, व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय शंकर जायसवाल सहित सैकड़ों छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

जनपद के समस्त पेंशनर उपलब्ध कराए अपना जीवित प्रमाण पत्र

मऊ। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि कोषागार मऊ से पेंशन प्राप्त कर रहे समस्त पेंशनरों को सूचित किया जाता है कि वह अपना जीवित प्रमाण पत्र निर्धारित माह में अद्यतन, फोटो व हस्ताक्षर सहित बैंक के माध्यम से अथवा स्वयं कोषागार में उपस्थित होकर अथवा ऑनलाइन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें जिससे उनका पेंशन निर्बाध रूप से उनके खाते में समय से प्रेषित किया जा सके।

दोषी संतोष कुमार कनौजिया को 7 वर्ष की कैद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। एक वर्ष पूर्व दुकानदार राजू चौधरी के ऊपर पेट्रोल छिड़क कर जलाने के मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए सीजेएम आलोक यादव की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी संतोष कुमार कनौजिया को 7 वर्ष की कैद व 85 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 80 हजार रुपये पीड़ित को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक सीमा पत्नी राजू चौधरी निवासी नई बस्ती वार्ड नम्बर 14 , थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि वह अपने पति के दुकान बुढ़िया होटल बढ़ौली चौराहा, रॉबर्ट्सगंज बंद करते समय प्रतिदिन आती थी। घटना 29 अप्रैल 2024 की रात्रि 11 बजे की है। जब दुकान पर पहुंची तो देखा उसके पति राजू चौधरी के ऊपर पेट्रोल डालकर संतोष कुमार कनौजिया पुत्र सुरेश कनौजिया निवासी अशोक नगर, रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र जला रहा था और उसके पति जोर–जोर से बचाने के लिए चिल्ला रहे थे। सर से लेकर पेट तक जल गए थे। उन्हें बचाने के लिए वह तथा उसकी ननद शारदा व अन्य लोग आए और कंबल की मदद से आग बुझाई गई। अभियुक्त संतोष कुमार कनौजिया यह धमकी दिया कि अगर थाने पर सूचना दिया तो अभी जलाए हैं । अबकी बार मारकर फेंक देंगे और लाश का पता भी नहीं चलेगा। यह धमकी देते हुए मौके से भाग गया। लोगों और पुलिस की मदद से टोटो से पति को लेकर जिला अस्पताल लोढ़ी गई, देर रात होने की वजह से दवा इलाज नहीं हुआ। सुबह 30 अप्रैल 2024 को दवा इलाज शुरू हुआ और गम्भीर हालत को देखते हुए बीएचयू वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। इस घटना की सूचना रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में दिया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के 15 मई 2024 के आदेश के अनुपालन में रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने 17 मई 2024 को एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया और पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया। कोर्ट ने 3 सितंबर 2024 को अभियुक्त संतोष कुमार कनौजिया के विरुद्ध आरोप तय किया। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 8 गवाहों के बयान और पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी संतोष कुमार कनौजिया को 7 वर्ष की कैद व 85 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदण्ड की धनराशि में से 80 हजार रुपये पीड़ित को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी सतीश वर्मा ने बहस की।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में स्वामी हरसेवा नन्द पब्लिक स्कूल चुर्क में मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा की उपस्थिति में स्वामी हरसेवा नन्द पब्लिक स्कूल चुर्क में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, इस दौरान अग्नि शमन विभाग, पुलिस विभाग, आपदा विभाग, स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित अधिकारियों ने मॉक ड्रिल के माध्यम से गैस सिलेण्डर में आग से बचाव, सी0पी0आर0 पद्धति, आग बुझाने की प्रक्रिया, दुर्घटना में घायल होने पर बचाव से सम्बन्धित मॉक ड्रिल का प्रदर्शन भारी संख्या में उपस्थित छात्र–छात्राओं व जनमानस के बीच किया गया। इस अवसर पर नागरिकों को युद्धकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रहने हेतु प्रशिक्षित किया गया, इस दौरान जन–जागरूकता एवं प्रशिक्षण, सार्वजनिक स्थानों पर नागरिकों

को यह सिखाना कि हवाई हमले की स्थिति में स्वयं को कैसे सुरक्षित रखें (जैसे, ब्व जमीन पर लेटना, खिड़कियाँ बंद करना, सिर पर तकिया या बैग रखना) ब्लैकआउट व्यवस्था, निर्धारित समय पर पूरे जिले की बिजली बंद की जाएगी ताकि रात में दुश्मन को कोई लक्ष्य न दिखे, महत्वपूर्ण भवनों/ कार्यालयों की सुरक्षा जिला मुख्यालय, थाना, अस्पताल, और टेलीफोन एक्सचेंज आदि स्थानों की सुरक्षा के विशेष इंतजाम, घनी बस्तियों से नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का मॉक ड्रिल, रेस्क्यू एवं प्राथमिक उपचार अभ्यास/ सिविल डिफेन्स, रेड क्रॉस, एनसीसी, एनएसएस, आपदा प्रबंधन तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा बचाव कार्यों का प्रदर्शन, घायल नागरिकों को त्वरित प्राथमिक चिकित्सा पहुँचाने की प्रक्रिया का अभ्यास मॉक ड्रिल के माध्यम से किया गया इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, अपर जिलाधिकारी(वि0 / रा0) सहदेव कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, आपदा विशेषज्ञ पवन शुक्ला सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अधिवक्ताओं को पूर्व में जारी सीओपी का कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं–जय नारायण पांडेय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। यूपी बार काउंसिल के सदस्य / पूर्व उपाध्यक्ष जय नारायण पांडेय एडवोकेट हाईकोर्ट लखनऊ ने कहा कि पूर्व में अधिवक्ताओं को जारी सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस(सीओपी) का कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने बुधवार को भेजे पत्रक में कहा है कि जिन अधिवक्ताओं को पूर्व में सर्टिफिकेट ऑफ

प्रैक्टिस(सीओपी) जारी हुई है उनसे कोई भी अतिरिक्त शुल्कबार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा नहीं लिया जा रहा है। बावजूद इसके अधिवक्ताओं को भ्रामक सूचना देकर अफवाह फैलाई जा रही है। अधिवक्तागण भ्रमित न हों क्योंकि भ्रामक सूचना देकर अधिवक्ताओं को गुमराह किया जा रहा है। इसपर ध्यान देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यूपी बार काउंसिल की तरफ से कोई नई अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मोहिनी एकादशी व्रतः भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की जाती है पूजा

डा. अनीष व्यास

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोहिनी एकादशी व्रत रखा जाता है। वैसे तो हर महीने में दो एकादशी तिथि होती है। एक शुक्ल पक्ष और एक कृष्ण पक्ष में, लेकिन मोहिनी एकादशी का खास महत्व माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मोहिनी एकादशी का व्रत 8 मई को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु के मोहिनी स्वरूप की पूजा की जाती है। इस व्रत को करने से मनुष्य के सभी कष्ट दूर होते हैं। मान्यता है कि मोहिनी एकादशी का व्रत सभी प्रकार के दुखों का निवारण करने वाला, सब पापों को हरने वाला और व्रतों में उत्तम व्रत है। इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल से छुटकारा पाकर विष्णु लोक को प्राप्त करता है। मोहिनी एकादशी के दिन पूजा अर्चना करने से मन को शांति मिलती है और धन, यश और वैभव में वृद्धि होती है। इस दिन सृष्टि के रचयिता भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य से भक्त के अनजाने में किए गए सभी पाप दूर हो जाते हैं। भगवान विष्णु की कृपा भी प्राप्त होती है। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में साल में 24 एकादशी पड़ती है। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है और इस दिन श्रीहरि की पूजा की जाती है। वैसे तो सभी एकादशी महत्वपूर्ण मानी गई है लेकिन वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी का भी विशेष महत्व है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले एकादशी को मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। मोहिनी एकादशी का दिन भगवान विष्णु और उनके मोहिनी अवतार की पूजा करने के लिए मनाया जाता है। भक्त अपने पिछले पापों से छुटकारा पाने और विलासिता से भरा जीवन जीने के लिए मोहिनी एकादशी का व्रत रखते हैं। इस दिन व्रत-पूजा करने से साधक को सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में सुख समृद्धि भी बनी रहती है। इस बार मोहिनी एकादशी पर 3 शुभ योग बन रहे हैं। मोहिनी एकादशी तिथि वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि आरंभ 7 मई, 2025, प्रातः 10 : 19 मिनट पर वैशाख शुक्ल एकादशी तिथि समापन 8 मई, 2025, दोपहर 12:29 मिनट पर उदयातिथि के आधार पर मोहिनी एकादशी व्रत 8 मई 2025 को रखा जाएगा।

शुभ योग ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष मोहिनी एकादशी के दिन भद्रवास योग बन रहा है, जो इस व्रत को और भी प्रभावशाली बनाता है। इस योग में किया गया व्रत और जप अनेक गुना पुण्य प्रदान करता है। यज्ञ से भी ज्यादा फल देता है एकादशी व्रत ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पुराणों के मुताबिक, एकादशी को हरी वासर यानी भगवान विष्णु का दिन कहा जाता है। विद्वानों का कहना है कि एकादशी व्रत यज्ञ और वैदिक कर्म-कांड से भी ज्यादा फल देता है। पुराणों में कहा गया है कि इस व्रत को करने से मिलने वाले पुण्य से पितरों को संतुष्टि मिलती है। स्कंद पुराण में भी एकादशी व्रत का महत्व बताया गया है। इसको करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

पुराणों और स्मृति ग्रंथ में एकादशी व्रत भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि स्कन्द पुराण में कहा गया है कि हरिवासर यानी एकादशी और द्वादशी व्रत के बिना तपस्या, तीर्थ स्थान या किसी तरह के पुण्याचरण द्वारा मुक्ति नहीं होती। पदम पुराण का कहना है कि जो व्यक्ति इच्छा या न चाहते हुए भी एकादशी उपवास करता है, वो सभी पापों से मुक्त होकर परम धाम वैकुंठ धाम प्राप्त करता है। कात्यायन स्मृति में जिक्र किया गया है कि आठ साल की उम्र से अस्सी साल तक के सभी स्त्री-पुरुषों के लिए बिना किसी भेद के एकादशी में उपवास करना कर्तव्य है। महाभारत में श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सभी पापों और दोषों से बचने के लिए 24 एकादशियों के नाम और उनका महत्व बताया है।

एकादशी व्रत का महत्व : कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक संस्कृति में प्राचीन काल से ही योगी और ऋषि इन्द्रिय क्रियाओं को भौतिकवाद से देवत्व की ओर मोड़ने को महत्व देते आ रहे हैं। एकादशी का व्रत उसी साधना में से एक है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार एकादशी में दो शब्द होते हैं एक (1) और दश (10)। दस इंद्रियों और मन की क्रियाओं को सांसारिक वस्तुओं से ईश्वर में बदलना ही सच्ची एकादशी है। एकादशी का अर्थ है कि हमें अपनी 10 इंद्रियों और 1 मन को नियंत्रित करना चाहिए। मन में काम, क्रोध, लोभ आदि के कुविचार नहीं आने देने चाहिए। एकादशी एक तपस्या है जो केवल भगवान को महसूस करने और प्रसन्न करने के लिए की जानी चाहिए। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार एकादशी तिथि भगवान विष्णु को श्रेष्ठ प्रिय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस व्रत की महिमा स्वयं श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को बताई थी। एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को मोक्ष मिलता है और सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है, अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता, शत्रुओं का नाश होता है, धन, ऐश्वर्य, कीर्ति, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है।

पूजा विधि: भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि मोहिनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें। उसके बाद पीले वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु का स्मरण करें और पूजा करें। फिर ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप जरूर करें। उसके बाद धूप, दीप, नैवेद्य आदि सोलह चीजों के साथ करें और रात को दीपदान करें। पीले फूल और फलों को अर्पण करें। श्री हरि विष्णु से किसी प्रकार की गलती के लिए क्षमा मांगे। शाम को पुनः भगवान विष्णु की पूजा करें और रात में भजन कीर्तन करते हुए जमीन पर विश्राम करें। फिर अगले दिन सुबह उठकर स्नान आदि करें। इसके बाद ब्राह्मणों को आमंत्रित करके भोजन कराएं और उन्हें अपने अनुसार भेंट दें। इसके बाद व्रत का पारण करें। भगवान विष्णु ने रखा था मोहिनी रूप भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि पौराणिक कथा के अनुसार समुद्र मंथन के समय जब समुद्र से अमृत कलश निकला तब राक्षसों और देवताओं के बीच इस बात को लेकर विवाद शुरू हो गया कि अमृत का कलश कौन लेगा। इसके बाद सभी देवताओं ने भगवान विष्णु से सहायता मांगी। ऐसे में अमृत के कलश से राक्षसों का ध्यान भटकाने के लिए भगवान विष्णु मोहिनी नामक एक सुंदर स्त्री के रूप में प्रकट हुए, जिसके बाद सभी देवताओं ने विष्णु जी की सहायता से अमृत का सेवन किया। इसी दिन वैशाख शुक्ल की एकादशी तिथि थी, इसलिए इस दिन को मोहिनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है।

भारत के इस अनोखे मंदिर में फर्श पर परोसा जाता है प्रसाद, खिड़की से होते हैं श्रीकृष्ण के दर्शन

उडुपी के कृष्ण मंदिर को दक्षिण भारत के सबसे फेमस मंदिर में से एक माना जाता है। इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण अपने बालरूप में विराजमान हैं। हालांकि मंदिर में कोई भी सीधा मूर्ति के दर्शन

नहीं कर सकता है। यहां 9 छिद्रों वाली एक छोटी खिड़की से भगवान कृष्ण के दर्शन किए जाते हैं।

भगवान कृष्ण के भक्तों के लिए उडुपी को पवित्र स्थान माना जाता है। जैसे मथुरा है, उसी तरह से यह जगह भी मानी जाती है। उडुपी का कृष्ण मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। हर दिन यहां पर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन और पूजन के लिए हजारों की संख्या में भक्त आते हैं। इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की सबसे सुंदर मूर्ति स्थापित है। जिसमें वह अपने बालरूप में विराजमान हैं। हालांकि मंदिर में कोई भी सीधा मूर्ति के दर्शन नहीं कर सकता है। यहां 9 छिद्रों वाली एक छोटी खिड़की से भगवान कृष्ण के दर्शन किए जाते हैं। इस मंदिर को अपने आप में अनोखा और रोचक माना जाता है।

जानिए खिड़की का रहस्य मान्यता है कि अपने एक भक्त की भक्ति से खुश होकर भगवान ने एक खिड़की बनवाई थी। जिससे हर कोई उनके दर्शन आसानी से कर सके। इस मंदिर का निर्माण 13वीं शताब्दी में माधवाचार्य द्वारा की गई थी। इसको दक्षिण भारत के सबसे फेमस मंदिर में से एक माना जाता है।

दर्शन के लिए घंटों करना पड़ता है इंतजार

जन्माष्टमी आदि के मौके पर इस मंदी की सजावट देखने लायक रहती है। इस दौरान मंदिर को फूलों, दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाता है। इस दौरान भगवान की एक झलक पाने के लिए भक्तों को घंटों तक इंतजार भी करना पड़ता है।

मंदिर से जुड़ी दूसरी मान्यता

इस मंदिर से जुड़ी एक और मान्यता है। बताया जाता है कि एक बार समुद्री तूफान में फंसे एक जहाज को श्री माधवाचार्य ने अपनी दिव्य शक्तियों से बचाया था। जब वह जहाज किनारे पर आया तो इससे भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति मिली। जोकि समुद्र की मिट्टी से पूरी तरह ढकी थी। माधवाचार्य ने श्रीकृष्ण की इस मूर्ति को लाकर उडुपी मंदिर में स्थापित कर दिया। इसलिए आज भी भक्त श्रद्धाभाव के साथ पूजा करते हैं।

फर्श पर क्यों दिया जाता है प्रसाद

बताया जाता है कि मनोकामना पूरी होने पर श्रद्धालु फर्श पर प्रसाद खाते हैं। दरअसल, जिन श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी हो जाती है, वह खुद फर्श पर प्रसाद परोसने की मांग करते हैं। जिसकी वजह से मंदिर में फर्श पर प्रसाद परोसा जाता है।

ऐसे पहुंचे मंदिर यहां पर सबसे पास एयरपोर्ट मैंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। जोकि मंदिर से 59.1 किमी दूर है। यहां से आप टैक्सी लेकर मंदिर तक पहुंच सकते हैं। वहीं यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन उडुपी है। जोकि सिर्फ 3.2 किमी है। स्टेशन से आप टैक्सी या ऑटो के जरिए मंदिर तक पहुंच सकते हैं। या फिर आप अपनी गाड़ी से भी मंदिर तक जा सकते हैं।

विश्व में सबसे ऊंचाई पर स्थित है भगवान शिव का यह फेमस मंदिर, जानिए कैसे पहुंचे

कुरुक्षेत्र युद्ध के बाद पांडवों में भगवान शिव से क्षमा मांगनी पड़ी थी। ऐसे में भगवान शिव ने लुका-छुपी का एक खेल खेला। जिसके तहत पांच अलग-अलग स्थानों पर पांच मंदिरों की स्थापना हुई। जिसमें केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर और कल्पेश्वर शामिल हैं।

हमारे देश में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं। अगर आप भी प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं, तो आज हम आपको तुंगनाथ मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। दरअसल, यह दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। तुंगनाथ मंदिर की गिनती पंच केदार यात्रा में की जाती है, जोकि उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय क्षेत्र में स्थित पांच पवित्र जगहों में से एक है, हालांकि यह चार धाम यात्रा से अलग है।

पौराणिक कथा के मुताबिक कुरुक्षेत्र युद्ध के बाद पांडवों में भगवान शिव से क्षमा मांगनी पड़ी थी। ऐसे में भगवान शिव ने लुका-छुपी का एक खेल खेला। जिसके तहत पांच अलग-अलग स्थानों पर पांच मंदिरों की स्थापना हुई। जिसमें केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर और कल्पेश्वर शामिल हैं। इनमें से तुंगनाथ मंदिर तीसरा और सबसे अहम शिव मंदिर है।

सबसे ऊंचा शिव मंदिर

तुंगनाथ मंदिर न सिर्फ पंच केदार मंदिरों में सबसे ऊंचा है, बल्कि यह विश्व का भी सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। यह मंदिर 3,680 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। तुंगनाथ मंदिर का इतिहास महाभारत काल के पांडवों से जुड़ा है। यहां के स्थानीय लोगों की मानें, तो 8वीं शताब्दी के दार्शनिक और संत आदि शंकराचार्य ने मंदिर की खोज की थी। वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कत्यूरी शासकों ने 8वीं शताब्दी में इस मंदिर का निर्माण किया गया था।

तुंगनाथ मंदिर

बद्री केदार मंदिर समिति द्वारा उत्तराखंड में स्थित तुंगनाथ मंदिर के खुलने की तारीख तय की जाती है। उत्तराखंड में चार धामों की शुरुआत के साथ तीसरे केदार तुंगनाथ का उद्घाटन होता है। आमतौर पर अप्रैल या मई में वैशाख पंचमी पर यह मंदिर भक्तों के लिए खुल जाता है।

ट्रैक के जरिए पहुंचे

तुंगनाथ मंदिर तक पहुंचने के लिए आपको उत्तराखंड के चोपता आना होगा। चोपता से तुंगनाथ तक का ट्रैक करीब 3.5 किमी का है। हालांकि यह ट्रैक ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन इसको आसान भी नहीं कहा जा सकता है। इस ट्रैक के दौरान आपको घास के मैदान और बर्फ से ढके पहाड़ों को देखकर आपका दिल खुश हो जाएगा। चोपता से तुंगनाथ पहुंचने में करीब 2 से 3 घंटे तक का समय लगता है।

ऐसे पहुंचे चोपता

उत्तराखंड के चोपता से तुंगनाथ ट्रैक की शुरुआत होती है। ऐसे में आपको सबसे पहले हरिद्वार या ऋषिकेश पहुंचना होगा, फिर वहां से चोपता के लिए बस या टैक्सी करें। या फिर आप उखीमठ से बस ले सकते हैं। उखीमठ से आप लोकल टैक्सी ले सकते हैं। चोपता उत्तराखंड का बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है और इसको 'भारत का मिनी स्विट्जरलैंड' भी कहा जाता है।

चंद्रशिला शिखर बता दें कि तुंगनाथ मंदिर पहुंचने के बाद आप केदारनाथ, नंदा देवी, त्रिशूल और चौखंबा की राजसी चोटियों को भी देख सकते हैं। मंदिर तक जाने के बाद अगर आप चंद्रशिला शिखर तक जाना चाहते हैं, तो आपको तुंगनाथ मंदिर से आगे 1.5 किमी जाना होगा। पौराणिक कथाओं के मुताबिक इस शिखर पर भगवान श्रीराम ने ध्यान किया था।